

न्यूज डायरी

पालमपुर के होटल में दबिशा, 7.92 ग्राम चिट्ठे के साथ महिला समेत पांच गिरफ्तार

धर्मशाला- नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कांगड़ा पुलिस की सीआईए टीम ने पालमपुर में एक होटल में दबिशा देकर 7.92 ग्राम चिट्ठे के साथ एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद चिट्ठे के अलावा एक हॉंडा अमेज कार को भी कब्जे में लिया है। मामला पुलिस थाना पालमपुर में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार की देर रात सीआईए टीम को गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर पालमपुर के लोहना स्थित पीसीसीएन चौक के समीप एक होटल में दबिशा दी गई। होटल के एक कमरे में चार पुरुष और एक महिला मौजूद थे। तलाशी के दौरान हरियाणा के सिरसा जिले के 32 वर्षीय दपिंदर सिंह के कब्जे से 7.92 ग्राम चिट्ठा बरामद हुआ। पृष्ठताछ और छानबीन के दौरान पुलिस ने कमरे में मौजूद अन्य लोगों की भूमिका भी संदिग्ध पाई। इसके बाद सीआईए टीम ने पांचों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में दपिंदर सिंह के अलावा पालमपुर क्षेत्र के आदित्य पटानिया (24), कबीर (23), प्रशुल कपूर (24) और मंडी जिले की 27 वर्षीय ममता शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से जुड़े वाहन को भी कब्जे में लिया है। अब जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी चिट्ठा कहाँ से लेकर आए थे और नशे की आपूर्ति के पीछे कौन लोग जुड़े हैं। उधर, पुलिस अधीक्षक कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि पुलिस आरोपियों से पृष्ठताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

सिरमौर में दर्दनाक सड़क हादसा: यमुना कुल्हाल पुल पर ट्रक से भिड़ी कार, तीन लोगों की मौत



नाहन: सिरमौर जिला को उत्तराखंड से जोड़ने वाले यमुना कुल्हाल पुल पर बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक यमुना नदी पर बने पुल पर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। यह हादसा शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे के आसपास हुआ। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार क्रेटा कार आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसा पांवटा साहिब क्षेत्र में यमुना नदी पर बने यमुना कुल्हाल पुल पर हुआ। जानकारी के अनुसार क्रेटा कार तेज रफ्तार में थी और आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पांवटा साहिब पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे युवकों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान 32 वर्षीय तरसेम सिंह पुत्र अतर सिंह निवासी शिलाई, जिला सिरमौर, 37 वर्षीय अमित कुमार पुत्र महाकर सिंह निवासी शांति नगर, भोपा रोड, नई मंडी मुफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश और सोनू पुत्र वेङ्गपाल सिंह निवासी नारला हुकम सिंह, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली के रूप में हुई है। तीनों शवों का रविवार को सिविल अस्पताल पांवटा साहिब में पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। इसके बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपे जाएंगे।

रुपिन पास में बर्फीले तूफान के बीच भेड़-बकरियों संग फँस गए थे चरवाहे, पुलिस ने किया रेस्क्यू

शिमला। किन्नौर में खराब मौसम के बीच रुपिन पास के समीप फंसे चरवाहों के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सफल रेस्क्यू अभियान चलाया। भारी बर्फबारी, ओलावृष्टि और बर्फीले तूफान के बीच दुर्गम इलाके में फंसे सभी चरवाहों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इतना ही नहीं, रेस्क्यू टीम ने करीब 1600 से 1700 भेड़-बकरियों को भी सुरक्षित वापस लाया।

जानकारी के अनुसार सांगला कांडा से डोडरा क्वार की ओर जा रहे चरवाहे रुपिन पास के समीप भारी ओलावृष्टि और बर्फीले तूफान के कारण फंस गए थे। 27 सितंबर को पुलिस को चरवाहों के फंसे होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त रेस्क्यू टीम गठित की। टीम ने मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों की

चुनौती के बावजूद प्रभावित क्षेत्र की ओर अभियान शुरू किया।

29 और 30 सितंबर को पुलिस और राजस्व विभाग की टीम अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में पहुंची। उस समय इलाके में भारी बर्फबारी और बर्फीला तूफान चल रहा था। रास्ते में जमा बर्फ और खराब मौसम ने रेस्क्यू अभियान को बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया। इसके बावजूद टीम ने अभियान को जारी रखा और एक-एक कर सभी चरवाहों को सुरक्षित क्षेत्र तक पहुंचाया। अभियान के दौरान टीम ने बर्फ में दबी 02 बकरियों और 03 भेड़ों को भी जीवित बचाया तथा लगभग 1600–1700 भेड़-बकरियों को सुरक्षित वापस लाया।

घास काटने गई महिला को खाई में गिरकर मौत, 200 मीटर नीचे झाड़ियों में मिला शव

थुनाग – सराज विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कल्हणी के जांओ गांव में शनिवार को दर्दनाक हादसे में घास काटने गई 50 वर्षीय महिला को खाई में गिरने से मौत हो गई। मृतका की पहचान तुलसी देवी पत्नी उत्तम चंद निवासी जांओ के रूप में हुई है। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, तुलसी देवी शनिवार को मवेशियों के लिए घास काटने के लिए घर से निकली थीं। वह पहाड़ी पर घास काट रही थीं कि अचानक पैर फिसलने से उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरी खाई में जा गिरीं। हादसे के बाद वह काफी नीचे झाड़ियों में जा गिरीं।

शाम तक जब तुलसी देवी घर वापस नहीं पहुंचीं तो परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान पहाड़ी पर महिला के गिरने के निशान मिले। ग्रामीणों ने करीब 200 मीटर नीचे तक तलाश की, जहां झाड़ियों में तुलसी देवी का शव मिला। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को खाई से बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

मुख्यमंत्री टाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का तीन दिवसीय रोहड़ू-रामपुर दौरा

मुख्यमंत्री टाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का रोहड़ू और रामपुर क्षेत्र के दौरे के दौरान दोनो ही विधानसभा क्षेत्रों में एंटी चिट्ठा रैली में हिस्सा लिया और प्रदेश को चिट्ठा मुक्त बनाने की राज्य सरकार को प्रतिबद्धता को दोहराया।

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में विकास की वास्तविक तस्वीर केवल बड़े शहरों और प्रमुख कस्बों से नहीं, बल्कि उन दूरदराज गांवों से सामने आती है, जहां आज भी सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं लोगों के जीवन की गुणवत्ता तय करती हैं। इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री टाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का 1 से 3 अक्टूबर तक शिमला जिले के रोहड़ और रामपुर विधानसभा क्षेत्रों का दौरा केवल एक सामान्य प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि सरकार और ग्रामीण समाज के बीच सीधे संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर बना।

मुख्यमंत्री टाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का रोहड़ू और रामपुर क्षेत्र से विशेष भावनात्मक जुड़ाव भी इस दौरे के दौरान दिखाई दिया। पहाड़ के दुर्गम क्षेत्रों की भौगोलिक चुनौतियों को समझते हुए उन्होंने ऐसे क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता देने पर बल दिया, जहां तक प्रशासनिक तंत्र और विकास योजनाओं की पहुंच कई बार कठिन होती है। इस दौरे

मुख्यमंत्री ने शिमला जिले के रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र को 182.87 करोड़ रुपये की लागत की 61 विकास परियोजनाओं और रामपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को 232.93 करोड़ रुपये की लागत की 28 विकास परियोजनाओं के उपहार दिए। लोकतंत्र में विकास केवल योजनाओं



के दौरान मुख्यमंत्री ने रोहड़ के दूरदराज क्षेत्र भटवाड़ी और रामपुर के काशा-पाट में रात्रि प्रवास भी किया। वह प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने इन दोनों क्षेत्रों में रात्रि प्रवास किया और ग्रामीणों की समस्याओं को समझकर अधिकारियों को मौके पर ही उनका त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने शिमला जिले के रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र को 182.87 करोड़ रुपये की लागत की 61 विकास परियोजनाओं और रामपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को 232.93 करोड़ रुपये की लागत की 28 विकास परियोजनाओं के उपहार दिए। लोकतंत्र में विकास केवल योजनाओं

दिल्ली से पंजाब तक फिर बरसेंगे बादल, हिमाचल-उत्तराखंड में गरज-चमक के साथ बारिश

नई दिल्ली। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में छह अक्टूबर से एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लंबे समय तक शुष्क मौसम के बाद छह से 10 अक्टूबर तक इन क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग की ओर से रविवार सुबह 7:49 बजे जारी अखिल भारतीय मौसम सारांश और पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार, छह से 10 अक्टूबर के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। मौसम का मिजाज बदलने से पहले, चार और पांच अक्टूबर को इस इलाके में मौसम के मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने यह अनुमान ऐसे समय में जताया है जब हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से ज्यादा बढ़ा हुआ है। आईएमडी ने बताया कि हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस से पांच डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा रहा। इसी तरह कुल्लू की पांच, मंडी की पांच और ऊना की पांच निर्विरोध पंचायतों को 1.25-1.25 करोड़ रुपए मिलेंगे।

निर्विरोध चुनी गई पंचायतों पर प्रदेश सरकार मेहरबान, 136 पंचायतों को मिलेंगे 34 करोड़

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। लंबे सप्ताहांत के दौरान पर्यटकों की भारी आमद से हिमाचल प्रदेश के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों पर यातायात प्रभावित हुआ है। प्रमुख पर्यटन केंद्रों में होटल 60 से 80 प्रतिशत तक भरे हुए हैं। पर्यटन उद्योग से जुड़े एक प्रतिनिधि ने शनिवार को यह जानकारी दी।

फेडरेशन ऑफ हिमाचल होटलस एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेंद्र टाकुर ने कहा कि लंबे सप्ताहांत के दौरान पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है और बड़ी संख्या में लोग राज्य के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों का रुख कर रहे हैं। मनाली,

हिमाचल

मुख्यमंत्री ने रोहड़ और रामपुर के दौरे के दौरान दोनो ही विधानसभा क्षेत्रों में एंटी चिट्ठा रैली में हिस्सा लिया और प्रदेश को चिट्ठा मुक्त बनाने की राज्य सरकार को प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्यमंत्री ने रोहड़ और रामपुर के दौरे के दौरान दोनो ही विधानसभा क्षेत्रों में एंटी चिट्ठा रैली में हिस्सा लिया और प्रदेश को चिट्ठा मुक्त बनाने की राज्य सरकार को प्रतिबद्धता को दोहराया।

इस तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने जनभावनाओं को सर्वोपरि रखते हुए अनेक घोषणाएं की। रोहड़ू स्थित पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीबीएसई के विद्यार्थियों के साथ मुख्यमंत्री के संवाद के दौरान जब एक छात्रा द्वारा स्कूल के नए भवन की मांग की गई तो उन्होंने नए भवन के निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की। चिड़गांव में विशाल जनसमूह के मध्य किसानों और पशुपालकों के खुशहाल भविष्य के लिए उन्होंने एक दिसंबर से दूध के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी करने और मंडी मध्यस्थता योजना (एमआईएस) के तहत खरीदे जाने वाले सेब के खरीद मूल्य में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की घोषणा की।

लोकतंत्र में विकास केवल योजनाओं के द्वारा नहीं होता, विकास तब सार्थक बनता है जब योजनाओं का निर्माण और क्रियान्वयन लोगों की वास्तविक जरूरतों से जुड़ा हो। रोहड़ू और रामपुर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कई मामलों में मौके पर ही घोषणाएं कीं।

इससे स्थानीय लोगों में यह भावना मजबूत हुई कि उनकी समस्याएं केवल सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं हैं,

7 अक्टूबर को ढालपुर में प्रदर्शन करेगा INDIA

ब्लाक, CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की होगी मांग

लोकतंत्र बचाओ, वोट बचाओ, देश बचाओ, अभियान के तहत होगा प्रदर्शन

कुल्लू- देश भर में SJR के विरोध में कांग्रेस और अन्य सहयोगी दल प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में कुल्लू जिला में भी इंडिया ब्लाक के बैनर तले कांग्रेस और सीपीएम की ओर से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। आगामी 7 तारीख को कुल्लू जिला मुख्यालय में संयुक्त रूप से एक बड़ा प्रदर्शन होगा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जाएगी । इसके बाद ब्लॉक स्तर पर भी इस तरह के प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

कुल्लू में पत्रकार बातां को संबोधित करते हुए कुल्लू में कांग्रेस जिला अध्यक्ष सेस राम आजाद ने कहा कि एसएआर का दुरुपयोग करके बीजेपी ने अपनी सरकार

अटल टनल से आने-जाने वालों के लिए जरूरी खबर, 6 अक्टूबर रात से भारी वाहनों की एंट्री बंद



कुल्लू : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 6 से 8 अक्टूबर तक मनाली एवं अटल टनल प्रवास के दृष्टिगत जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए विशेष यातायात प्रबंध लागू किए हैं। अमित कुमार शर्मा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 एवं 117 के तहत इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित प्रवास के दौरान सुरक्षा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक, कुल्लू द्वारा विस्तृत यातायात संचालन योजना प्रस्तुत की गई थी। इसी के आधार पर विभिन्न मार्गों पर भारी वाहनों तथा अन्य वाहनों की आवाजाही को निर्धारित अवधि में प्रतिबंधित, नियंत्रित एवं

7 अक्टूबर को ढालपुर में प्रदर्शन करेगा INDIA ब्लाक, CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की होगी मांग



बनाई है। ऐसे में उन्होंने लोकतंत्र का दुरुपयोग किया है। इसी के विरोध में कांग्रेस की ओर से यह प्रदर्शन किया जाएगा और इंडि गठबंधन के सहयोगी दल भी उनके समर्थन में आगे आएंगे। आज कांग्रेस और सीपीएम की ओर से संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता की गई।

इस दौरान सीपीएम के जिला सचिव नारायण चौहान भी मौजूद रहे। उन्होंने

कहा कि सीपीएम लगातार केंद्र सरकार

की गलत नीतियों का विरोध करती आई है। ऐसे में उन्होंने कहा कि करीब देश में 13 करोड़ से अधिक वोटो का दुरुपयोग हुआ है और इतने ही वोटो से बीजेपी ने भी जीत हासिल की है ऐसे में इस सब के विरोध में कुल्लू में भी कांग्रेस के साथ

मिलकर सीपीएम और इंडी गठबंधन के सभी दल प्रदर्शन करेंगे।

हिमाचल घूमने निकले तो संभलकर... लॉन्ग वीकेंड पर उमड़ा सैलानियों का सैलाब, मनाली-शिमला और धर्मशाला में जाम

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। लंबे सप्ताहांत के दौरान पर्यटकों की भारी आमद से हिमाचल प्रदेश के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों पर यातायात प्रभावित हुआ है। प्रमुख पर्यटन केंद्रों में होटल 60 से 80 प्रतिशत तक भरे हुए हैं। पर्यटन उद्योग से जुड़े एक प्रतिनिधि ने शनिवार को यह जानकारी दी।

फेडरेशन ऑफ हिमाचल होटलस एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेंद्र टाकुर ने कहा कि लंबे सप्ताहांत के दौरान पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है और बड़ी संख्या में लोग राज्य के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों का रुख कर रहे हैं। मनाली, धर्मशाला और शिमला जैसे पर्वतीय पर्यटन स्थलों की सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जिससे यातायात जाम की स्थिति बनी रही।

सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही
टाकुर ने कहा कि हमने राज्य सरकार से उन मार्गों पर पर्यटकों की सहायता और यातायात प्रबंधन के लिए विशेष पुलिसकर्मियों की तैनाती का अनुरोध किया था, जहां अक्सर जाम लगता है। इससे पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी सुविधा होती। मनाली में पर्यटन कारोबारियों ने पिछले दो दिनों में पर्यटकों की संख्या में



उल्लेखनीय वृद्धि की जानकारी दी है। इस कारण सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं।

पर्यटकों और स्थानीय लोगों दोनों को परेशानी

यातायात जाम के कारण पर्यटकों और स्थानीय लोगों दोनों को परेशानी हो रही है और प्रशासन से स्थिति सुधारने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। एक

पर्यटक ने कहा कि लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर यातायात जाम अब नियमित समस्या बन गया है।

पुलिस ने यातायात और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की
दिल्ली से आए पर्यटक अशोक ने कहा कि हम दो दिन के लिए शिमला आए हैं, लेकिन सड़कों पर वाहनों की रफ्तार बहुत धीमी है और पार्किंग मिलना भी आसान नहीं है। पुलिस अधीक्षक कुलभूषण वर्मा ने कहा कि कांगड़ा जिले में मैकरोड रॉज, धर्मशाला और बौर-बिलिंग में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस ने यातायात और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है।

तीन साल में 10 हजार से अधिक शिक्षक भर्ती, अगले 6 माह में 4 हजार और शिक्षक होंगे नियुक्त: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री टाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज जिला शिमला के रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नेंगली में आयोजित विशाल जनसभा में संबोधित करते हुए कहाकि प्रदेश सरकार को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 10 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है तथा आगामी छह माह में चार हजार और शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

उन्होंने कहा कि गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में 150 से अधिक सीबीएसई स्कूल खोले गए हैं। इन स्कूलों में लगभग दो हजार शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है। इन स्कूलों में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उनके घर-द्वार के निकट बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध 300 विद्यालयों को स्कूल ऑफ़ एक्सलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है।

सुक्खू ने कहा कि वर्ष 2021 में पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में गुणात्मक शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश 21वें स्थान पर था, जबकि वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश अब पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं तथा इन क्षेत्रों में धन की कमी आड़े नहीं

आने दी जाएगी। प्रदेश के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों और अटल मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज संस्थान चमियाणा को आधुनिक तकनीक से लैस किया जा रहा है। एम्स की तृजं पर अत्याधुनिक मशीनों स्थापित की जा रही हैं तथा 19 वर्ष पुरानी मशीनों को चरणबद्ध तरीके से बदला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने चिकित्सकों की दूर करने के लिए 500 चिकित्सकों की नियुक्ति की है। मुख्यमंत्री ने कहाकि प्रदेश के सभी सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया गया है और कांग्रेस सरकार के सत्ता में रहने तक इसे बंद नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार एक नीति तैयार करने पर कार्य कर रही है, जिसे आने वाले समय में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि करणामूलक आधार पर रोजगार के पात्र मामलों में लगभग 70 प्रतिशत मामलों का समाधान करते हुए पात्र व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया जा चुका है।

सुक्खू ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार को पूर्व भाजपा सरकार से 76 हजार करोड़ रुपये का कर्ज और कर्मचारियों से संबंधित करीब 10 हजार करोड़ रुपये की देनदारियां विरासत में मिलीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम छह माह में पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक की घोषणाएं कीं।

न्यूज डायरी

मोहाली में 1,000 से अधिक युवा "वॉक फॉर नशा मुक्त युवा" में शामिल हुए

एसएस नगर (मोहाली): युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत, पंजाब द्वारा आज मोहाली के झंजेडी में स्थित एक निजी युनिवर्सिटी में राज्य स्तरीय ‘वॉक फॉर नशा मुक्त युवा’ का आयोजन किया गया, जिसमें 1,000 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत – 100 संडे अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया।

यह आयोजन अभियान के पहले महिने की थीम 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा गौरव' के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक ही दिन आयोजित किया गया। सुबह 11 बजे वॉक को हरी झंडी दिखाई गई। विद्यार्थियों, एनएसएस एवं एनसीसी स्वयंसेवकों, माय भारत स्वयंसेवकों, युवा क्लबों और खिलाड़ियों ने नशा-मुक्त जीवन का संदेश देती तख्तियाँ और नारों के साथ परिसर में लगभग 3 किलोमीटर की पैदल यात्रा की।

वॉक के बाद सभी प्रतिभागी सभागार में एकत्र हुए और 'नशा मुक्त युवा संकल्प' लिया। इसके बाद नुकड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

वक्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे फिटनेस को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, नशे से दूर रहें और अपने साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। प्रतिभागियों को टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 और राष्ट्रीय नशा मुक्ति हेल्पलाइन 14446 की जानकारी भी दी गई।

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत – 100 संडे अभियान' युवाओं में स्वास्थ्य जीवनशैली, मानसिक कल्याण और खाली समय के सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा एक निरंतर अभियान है। युवा माय भारत पोर्टल (mybharat.gov.in) से जुड़कर इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

‘हमारे बुजुर्ग हमारा मान’ अभियान के तहत जीरकपुर में जागरूकता शिविर

जीरकपुर – पंजाब सरकार के सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए राज्य कार्य योजना 2026-27 के तहत चलाए जा रहे 'हमारे बुजुर्ग हमारा मान' अभियान के अंतर्गत आज जीरकपुर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के सदस्यों के साथ-साथ क्षेत्र के नगर पार्षदों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगर परिषद जीरकपुर के अध्यक्ष श्री गुरप्रीत सिंह विक्रं ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर अधिकवक्ता आरती शर्मा ने 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007' संबंधी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को इस कानून के तहत प्राप्त अधिकारों, सुरक्षा एवं कानूनी सहायता के प्रावधानों के बारे में जागरूक किया तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

शिविर के दौरान जिला सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, मोहाली श्रीमती नवदीप कौर ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 9 अक्टूबर 2026 को गुरुद्वारा साहिव विश्रनपुरा, एम.सी. रोड, जीरकपुर में विशेष चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस शिविर में वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सहित आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

चेयरमैन दलवीर सिंह ढिल्लों ने खेल मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

हिन्द जनपथ संगरूर(ब्यूरो)। पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम के चेयरमैन स. दलवीर सिंह ढिल्लों ने संगरूर में चल रही 'खेड़ा वतन पंजाब दिया'-2026' के तहत आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने विभिन्न खेल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए तथा उनको हौसला अफजाई की।

इस अवसर पर चेयरमैन दलवीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि खेल युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि 'खेड़ा वतन पंजाब दिया' युवा खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान कर रही है।

उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल मैदान में की गई मेहनत और लगन ही खिलाड़ियों को ऊंचे मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को भविष्य में और अधिक मेहनत करने तथा पंजाब का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

मोहाली में 1,000 से अधिक युवा वॉक फॉर नशा मुक्त युवा में शामिल हुए



एसएस नगर (मोहाली)- युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत, पंजाब द्वारा आज मोहाली के झंजेडी में स्थित एक निजी यूनिवर्सिटी में राज्य स्तरीय ‘वॉक फॉर नशा मुक्त युवा’ का आयोजन किया गया, जिसमें 1,000 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत – 100 संडे अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया।

यह आयोजन अभियान के पहले महिने की थीम 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा गौरव' के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक ही दिन आयोजित किया गया। सुबह 11 बजे वॉक को हरी झंडी दिखाई गई। विद्यार्थियों, एनएसएस एवं एनसीसी स्वयंसेवकों, माय भारत स्वयंसेवकों, युवा क्लबों और खिलाड़ियों ने नशा-मुक्त जीवन का संदेश देती तख्तियाँ और नारों के साथ परिसर में लगभग 3 किलोमीटर की पैदल यात्रा की। वॉक के बाद सभी प्रतिभागी सभागार में एकत्र हुए

चंडीगढ़/हरियाणा/पंजाब/हिमाचल

आदिवाणी: वंचितों के लिए तकनीक- श्रीमती रंजना चोपड़ा

भारत 700 से अधिक जनजातीय समुदायों

और 100 से भी ज्यादा विशिष्ट जनजातीय भाषाओं और बोलियों का घर है, फिर भी इनमें से बहुत कम के पास अपनी लिपि, शब्दकोश या ऑनलाइन उपस्थिति है। स्वास्थ्य संबंधी किसी सरकारी परामर्श को पढ़ने की कोशिश कर रहे गोष्ठी भाषी किसान के लिए या पाठ्यपुस्तक में किसी शब्द को खोज रहे स्थानीय छात्र के लिए डिजिटल दुनिया ने अब तक उनकी भाषा में बात नहीं की थी। 'आदिवाणी' एक-एक वाक्य, एक-एक रिकॉर्डिंग और एक-एक अनूदित पृष्ठ के माध्यम से इस स्थिति को बदल रही है।

आदिवाणी एक एआई-आधारित अनुवाद और भाषा प्रौद्योगिकी मंच है, जिसे जनजातीय कार्य मंत्रालय (MoIA) के अंतर्गत आईआईटी दिल्ली द्वारा विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सीधा और स्पष्ट है: ऐसे उपकरण तैयार करना जो ओजेजी और हिंदी को जनजातीय भाषाओं के साथ संवाद करने में सक्षम बनाएं, और जनजातीय भाषाओं को भी लिखित और मौखिक दोनों माध्यमों में उनका उत्तर देने की सुविधा दें।

आदिवाणी चार भाषाओं-स्थाली, मुंडारी, भीली और गोंडी के साथ लाइन हो चुकी है। इसके ठीक पीछे कुई और गारो भाषाएं हैं, जबकि अगले चरण के लिए कलहकरी, कोया, कोकोबोरेंक, वेडु कुन्वा, चोभो, थांडी कुकी और तांगखुल सहित आठ अन्य भाषाओं को

तैयार किया जा रहा है।

सिर्फ एक अनुवादक नहीं, एक संपूर्ण टूलकिट

आदिवाणी केवल एक अनुवादक न होकर एक ही छत के नीचे संपूर्ण टूलकिट उपलब्ध करती है। यह टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट ट्रांसलेशन की सुविधा देती है, जो ओजेजी या हिंदी पाठ को तुरंत जनजातीय भाषा में और जनजातीय भाषा को वापस हिंदी या ओजेजी में बदल देता है; स्पीच-टू-टेक्स्ट (ASR), जो बोली जाने वाली जनजातीय भाषा को लिखित रूप में परिवर्तित करता है और ऐसी भाषाओं के लिए जीवनेरखा का काम करता है जिनके पास धाराप्रवाह पढ़ने वालों की संख्या बहुत कम या न के बराबर है; टेक्स्ट-टू-स्पीच, जो लिखे हुए पाठ से प्राकृतिक जनजातीय वाणी (ऑडियो) तैयार करता है ताकि निरक्षर व्यक्ति भी सुनकर जानकारी प्राप्त कर सकें; और स्पीच-टू-स्पीच, जो एक ऐसी बहु-चरणीय प्रणाली है जिससे अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले दो लोग लगभग वास्तविक समय में एक-दूसरे की बात समझ सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म में 'ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन' (OCR) की सुविधा भी है, जो केवल कागजों पर मौजूद पुरानी पाठ्यपुस्तकों, लोक पांडुलिपियों, प्रारंभिक पुस्तकों और शब्दकोशों को डिजिटाइज करती है-जो अब्सर किसी बोली के अंतिम बचे हुए दस्तावेज होते हैं। इसके साथ ही एक सार्वजनिक मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल



भी उपलब्ध कराया गया है, जिसमें निरंतर सुधार के लिए शब्दकोश, सीखने के मॉड्यूल और फीडबैक तंत्र मौजूद हैं।

हार्शिप से मुख्यधारा के केंद्र में लाना

दशकों से भारत की जनजातीय भाषाएं देश के डिजिटल और प्रशासनिक जीवन के हार्शिप पर रही हैं। मौखिक इतिहास, पारिस्थितिक ज्ञान और सांस्कृतिक स्मृतियों से समृद्ध होने के बावजूद वे इंटरनेट, एआई प्रणालियों और अब्सर नीतियों से लगभग अदृश्य रही हैं। आदिवाणी इस स्थिति को बदल रही है। कल्याणकारी योजनाओं की अधिसूचनाएं, स्वास्थ्य परामर्श या एनसईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के अध्ययन जो कभी केवल हिंदी या ओजेजी में उपलब्ध थे, अब स्थानीय या भीली में सटीकता और सम्मान के साथ रूपांतरित किए जा सकते हैं और किसी

सीमा पार से हथियार और विस्फोटक तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश; एक AK-47 राइफल और दो हैंड ग्रेनेड सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक व्यक्ति को एक AK-47 असॉल्ट राइफल (मैगजीन और नौ जिंदा कारतूस सहित) तथा दो हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार कर अवैध हथियार और विस्फोटक सप्लाई करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवजोत सिंह (28) के रूप में हुई है, जो पेशे से ट्रक ड्राइवर है और तरनतारन के गांव चौमा का रहने वाला है। हथियारों और विस्फोटकों की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने आरोपी की मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसका



इस्तेमाल वह खेपों की सप्लाई के लिए करता था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी कथित तौर पर विदेशी तस्करो से जुड़ा हुआ था और अवैध हथियारों की खरीद-फरोकत में शामिल था। उन्होंने बताया

कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने और इसके अगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

आपरेशन के संबंध में जानकारी साझा करते हुए इस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (आईजीपी), बॉर्डर रेंज, गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि खुफिया

सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस की विशेष टीमों ने विशेष अभियान चलाया और मोटरसाइकिल पर जा रहे आरोपी को रोकनर हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने मैगजीन और जिंदा कारतूसों सहित एक AK-47 असॉल्ट राइफल तथा दो जिंदा हैंड ग्रेनेड बरामद किए।

अमृतसर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस कप्तान (एसएसपी) कंवलप्रीत सिंह चहल ने बताया कि यह कार्रवाई एसपी (जांच) रमनदीप सिंह, डीएसपी गुरिंदरपाल सिंह नानावा और डीएसपी अटारी यादवींदर सिंह की निगरानी में अंजाम दी गई।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 425, दिनांक 30-09-2026 को आम्स एक्ट की धारा 25(8) तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराओं 3, 4 और 5 के तहत अमृतसर ग्रामीण के थाना घरिंडा में मामला दर्ज किया गया है।

सोया फेस्ट 2026 में प्रोटीन, पोषण और स्वस्थ खान-पान के प्रति बढ़ाई जागरूकता

स्वस्थ जीवनशैली के लिए पोषण और प्रोटीन पर जागरूकता जरूरी: मेयर सौरभ जोशी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। स्वस्थ खान-पान, संतुलित पोषण और प्रोटीन के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से इंडो सोया फूड एसोसिएशन ने चंडीगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी के सहयोग से शनिवार को होटल बेकनर, सेक्टर-42, चंडीगढ़ में 'सोया फेस्ट 2026' का आयोजन किया। चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। फेस्ट में सोया आधारित खाद्य पदार्थों के साथ मिलेट्स, चीन फूड और माइक्रोग्रैन्स से जुड़े विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को पौष्टिक भोजन के विविध विकल्पों और उनके रोजमर्रा के आहार में उपयोग की जानकारी दी गई। देशभर से आए सोया



उद्यमियों, पोषण विशेषज्ञों, शेफ, छात्रों और आम नागरिकों ने इसमें बड़े-चड़कर हिस्सा लिया।

मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार बेहद जरूरी है। उन्होंने सोया फेस्ट 2026 जैसी पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन लोगों, विशेषकर युवाओं को प्रोटीन, पोषण और स्वस्थ खान-पान के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

'राइट टू प्रोटीन' की भावना के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों

को स्वस्थ, पौष्टिक और टिकाऊ भोजन के विकल्पों से परिचित कराना, सोया उत्पादों का सीधा अनुभव कराना और इस क्षेत्र में काम कर रहे उद्यमियों को एक मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम को चंडीगढ़ डिस्ट्रिक्ट रनर्स, चंडीगढ़ मैनेजमेंट एसोसिएशन, इन्फोसिस अर्पण और यू.एस. सोयाबीन एक्सपोजेंट काउंसिल का भी समर्थन प्राप्त रहा।

फेस्ट के दौरान आयोजित सेमिनार और अवॉर्ड फंक्शन में पोषण, खाद्य सुरक्षा, हॉस्पिटैलिटी और सामाजिक विकास से जुड़े विशेषज्ञों ने स्वस्थ

खान-पान से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विशेषज्ञों ने बदलती जीवनशैली के बीच संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन और पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को दैनिक भोजन में शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इंडो सोया फूड एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव जर्मा और सलाहकार निशित पटेल ने बताया कि व्यस्त जीवनशैली के कारण खान-पान की आदतों में तेजी से बदलाव आया है और ऐसे में पौष्टिक तथा प्रोटीन युक्त भोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

फेस्ट में सोया के विभिन्न रूपों को भी प्रदर्शित किया गया। सोया चंक्स, सोया ग्रेन्यूल्स, टोफू, सोया मिल्क और अन्य सोया आधारित उत्पादों के माध्यम से यह बताया गया कि सोया को पारंपरिक भारतीय व्यंजनों के साथ-साथ आधुनिक रेसिपीज में भी आसानी से शामिल किया जा सकता है।

08 अक्टूबर को हरियाणा के सभी जिलों में होगा ‘वोट बचाओ—देश बचाओ’ विशाल रोष मार्च

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 02 से 08 अक्टूबर, 2026 तक 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' के अंतर्गत 'वोट बचाओ—देश बचाओ' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 08 अक्टूबर को हरियाणा के सभी जिलों में INDIA गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ विशाल रोष मार्च आयोजित किए जाएंगे।

यह जानकारी देते हुए हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि 30 सितंबर, 2022 को नाई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में INDIA गठबंधन की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में चुनावी प्रक्रिया एवं मतदाता सुविधों से संबंधित गंभीर मुद्दों, मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा की गई मतदाता सुविधों में की गई धांधली तथा 'वोट चोरी' तथा इस संबंध में आगे की संयुक्त कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि इन मुद्दों को लेकर व्यापक जनजागरूकता एवं जनसंर्क अभियान के तहत 02 से 08 अक्टूबर, 2026 तक 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में हरियाणा के सभी जिलों में 'वोट बचाओ—देश बचाओ' मार्च निकाले जाएंगे।

राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सभी जिला कांग्रेस कमेटीयों को अभियान के प्राचीन क्रियान्वयन एवं आवश्यक समन्वय के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

स्वर्गीय मलकीत सिंह बुटेरला की याद में रक्तदान शिविर लगाया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ नगर निगम के वार्ड नंबर 30 के पार्षद और चंडीगढ़ कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के निदेशक हरदीप सिंह बूटेरला ने



अपने भाई, स्वर्गीय मलकीत सिंह की पुण्यतिथि पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसके साथ ही शिविर में मृत्युदाताओं की जांच, स्वास्थ्य और वेलनेस सेक्टर, ब्लड टेस्टिंग और ड्राइट से जुड़ी सलाह जैसी सुविधाएं भी दी गईं, जिससे वहां आए लोगों को मुफ्त जांच का लाभ मिला। शिविर का उद्घाटन स्वर्गीय मलकीत सिंह बूटेरला की पत्नी कबी सतनाम कौर ने किया। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और पैसे बैंक सम्मर्पित भी किया। आम आदमी पार्टी के चंडीगढ़ अध्यक्ष विजयपाल, महसविच रमनी औरतव, मोहली जिला योजना बोर्ड की चेयरपर्सन प्रभजोत कौर और दिल्ली के विधायक अखिलेश त्रिपाठी इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर

शामिल हुए। उन्होंने इस सामाजिक फल के लिए बूटेरला परिवार की सरनाह की और रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। पार्षद हरदीप सिंह बुटेरला ने बताया कि सेक्टर 16 अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने शिविर में कुल 105 यूनिट रक्त के यूनिट एकत्र किए। इस मौके पर चंडीगढ़ नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर जसमानप्रीत सिंह, पार्षद कंवर राणा, अंजु कत्याल और जसवींदर कौर, कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन जुझार सिंह, मनोहर लाल धीमान अध्यक्ष दुर्गा माता मंदिर, सेक्टर 41 और अनीता अध्यक्ष, कीर्तन मंडली मंदिर सेक्टर 41 सहित अन्य लोग भी मौजूद थे।

AAP की शिक्षा क्रांति की पोल उसके अपने विधायक खोल रहे हैं, शिक्षकों पर लाठीचार्ज कर रही भगवंत मान सरकार: तरुण चुग

पंजाब में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल, लोकतांत्रिक आवाज उठाने वाली पर पुलिस कार्रवाई चिंताजनक

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी एवं सोसद तरुण चुग ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तोखा हमला बोलते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की तथाकथित शिक्षा क्रांति की पोल अब उसके अपने ही विधायक खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार के अपने विधायक सरकारी स्कूलों की बददली पर सवाल उठा रहे हों, तो इससे स्पष्ट है कि सरकार के दावों और जमीन की हकीकत में कितना बड़ा अंतर है।

तरुण चुग ने कहा कि पंजाब के सरकारी स्कूलों में कहीं बच्चे ही तो बैठने के लिए बेंच नहीं हैं, कहीं बेंच हैं तो छत नहीं हैं और कई जगह बुनियादी सुविधाओं का ही अभाव है। यह वही सरकार है जिसने सत्ता में आने से पहले और बाद में शिक्षा क्रांति के बड़े-बड़े दावे किए थे।

उन्होंने कहा कि जिस सरकार ने शिक्षा क्रांति का नारा दिया था, आज उसी सरकार के कार्यकाल में शिक्षक अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर हैं और उन्हें पुलिस



तरुण चुग ने कहा कि पंजाब में कानून-व्यवस्था और नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य वर्गों के साथ पुलिस कार्रवाई की घटनाएं चिंता पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था का अर्थ केवल अपराध पर नियंत्रण नहीं है, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा, कानून का

निष्पक्ष पालन और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार की रक्षा भी है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने वाले नागरिकों और कर्मचारियों के साथ कानून के दायरे में और सम्मानजनक व्यवहार हो।

तरुण चुग ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद को मास्टर का बेटा बताते हैं, लेकिन उनके शासन में शिक्षक अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर हैं। उन्होंने कहा कि इससे बड़ा विरोधाभास पंजाब की शिक्षा व्यवस्था में और क्या हो सकता है।

उन्होंने कहा कि केवल नारों से शिक्षा व्यवस्था नहीं बदलती। पंजाब को स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक, बेहतर बुनियादी ढांचा, आधुनिक सुविधाएं और शिक्षकों के सम्मान की आवश्यकता है। तरुण चुग ने कहा कि एक तरफ पंजाब की सड़कों पर शिक्षक और कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अमृतसर को शिक्षा, रोजगार, कनेक्टिविटी, पर्यटन और आधुनिक बुनियादी ढांचे का केंद्र बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

संपादकीय

हमले के बाद भी नहीं टूटा हौसला, कैप्टनस्मित का

कैप्टन स्मित को अब विपरीत हालात में विवेक और बहादुरी के एक शानदार उदाहरण के तौर पर जाना जाएगा और उनका साहस एक प्रे़क-तत्त्व के रूप में काम करेगा। विपरीत परिस्थितियों में अगर विवेक का साथ बना रहे, तो यह किसी त्रासद नतीजों के रुख को भी मोड़ देने में सक्षम साबित हो सकता है। बुधवार को दुबई से इज़राइल की राजधानी तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में अगर उसके पायलट कैप्टन स्मित मछर ने हिम्मत के साथ अपने ऊपर हुए हमले का सामना नहीं किया होता, तो विमान में मौजूद एक सौ चौहत्तर यात्रियों के साथ क्या होता, कहा नहीं जा सकता।ख़बरों के मुताबिक, उड़ान के दौरान ही मछर के सह-पायलट ने अचानक ही उन पर धारदार चीज से हमला कर दिया और विमान तेजी से नीचे की ओर जाने लगा। ऐसे हमले के बाद आमतौर पर व्यक्ति हिम्मत हार जाता है और उसके बाद संभल सकने वाली स्थितियां भी बिगड़ जाती हैं। मगर इस बात के लिए कैप्टन स्मित की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम होगी कि गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ होने के बावजूद उन्होंने अपना साहस कायम रखा और सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए बेहोश होने से पहले विमान के कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया।दरअसल, सबसे नाजुक वक्त में स्मित मछर का बस यही वह फैसला था, जिसकी वजह से समूचे विमान के यात्रियों की जान बच सकी। हालात भौतते ही अन्य करू सदस्य और अन्य कुछ यात्री भीतर घुसे और हमलावर पर किसी तरह काबू पाया जा सका। विमान किसी बड़े ह्दसे का शिकार होने से बच सका और इसमें कुछ अन्य यात्रियों ने भी बेहद अहम भूमिका निभाई।मगर कैप्टन स्मित ने जिस तरह की जटिल स्थिति में अपनी हिम्मत कायम रखी, कर्तव्य याद रखा, बहादुरी के साथ हमलावर का सामना किया और दरवाजा खोल दिया, उसे एक अविश्वसनीय, लेकिन एक ऐसे सच के रूप में देखा जा सकता है, जिसकी वजह से विमान के सभी यात्री सुरक्षित रहे और एक बड़ी त्रासद घटना से बचा जा सका। स्वाभाविक ही स्मित मछर को आज दुनिया भर में अदम्य साहस की मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है। इसके लिए इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी काफ़ी प्रशंसा की और उन्हें वास्तविक नायक बताया।

विचार/मंथन

दूसरों के आंसू क्यों नहीं दिखते हमें? संवेदनहीन होते समाज में सहानुभूति की जरूरत



नैतिकता का जन्म ‘करुणा’ से होता है। जब हम किसी अन्य व्यक्ति को रोते हुए या पीड़ित देखते हैं, तो हमारे भीतर का अहं कम होना चाहिए और हमें उसकी पीड़ा में अपना हिस्सा महसूस होना चाहिए। अगर हम दूसरों के आंसुओं के प्रति उदासीन हैं, तो एक समाज के रूप में अपनी नैतिक रीढ़ खो रहे हैं।

आज का समाज एक अजीब विरोधाभास में जी रहा है। हम आपस में पहले से कहीं अधिक जुड़े हैं, लेकिन एक-दूसरे से उतने ही कटे भी हैं। समाजशास्त्र में इसे ‘तमाशबीन प्रभाव’ कहा जाता है। जब सड़क पर किसी के साथ कोई दुर्घटना होती है या कोई रो रहा होता है, तो लोग उसकी मदद करने के बजाय अपने स्मार्टफोन से वीडियो बनाना शुरू कर देते हैं। यहां आंसू, दर्द और लाचारी केवल ‘कंटेंट’ या एक सोशल मीडिया की टिप्पणी बनकर रह जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और विभिन्न वैश्विक सामाजिक संस्थाओं के आंकड़े बताते हैं कि आधुनिक समाज में अकेलापन और मानसिक तनाव चरम

पर हैं। एक वैश्विक सर्वेक्षण के अनुसार, दुनिया की लगभग एक-तिहाई आबादी खुद को भावनात्मक रूप से असुरक्षित या उपेक्षित महसूस करती है। ये आंकड़े इस बात के प्रमाण हैं कि हम चेहरों को तो देख रहे हैं, लेकिन उनके पीछे छिपी सिसकियों को सुनने की क्षमता खो चुके हैं।

इस सत्य की सबसे करूर और मर्मस्पर्शी परीक्षा आज के वैश्विक परिदृश्य में हो रही है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, मध्य-पूर्व के गहराते संकट और विभिन्न महाद्वीपों में जारी गृहयुद्धों की भयावह तस्वीरें सामने हैं। इन युद्धक्षेत्रों से आने वाले आंसू किसी डिजिटल मीडिया की ‘ब्रेकिंग न्यूज’ या सोशल मीडिया रील का महज एक ‘शीर्षक’ नहीं हैं, वे वैश्विक मानवता की सामूहिक अंतरात्मा पर गहरे घाव हैं। युद्ध निर्दोष नागरिकों की हंसती-खेलती ज़िंदगियों का अंत होता है। तमाम आंकड़े बताते हैं कि युद्धों में जान-माल का नुकसान सैनिकों से ज्यादा आम नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को उठाना पड़ता है।

जब समाज या विश्व नेताओं के लिए सामूहिक

मीठे बोल का दम, रिश्तों से सफलता तक बदल देता है बहुत कुछ

(अमिताभ स.)
विचारकों ने शब्दों के सहारे जीवन के तीन सरल सूत्रों का जिक्र किया है- ‘सदा धीमे बोलो, कम बोलो और मीठा बोलो।’ कहते हैं कि जिनकी वाणी में प्रेम नहीं, आदर भाव नहीं, सम्मान नहीं, मधुरता नहीं, वह मानो बोझा उठाकर घूमते हैं। सच यह है कि बोलचाल और बातचीत के दौरान कहे गए शब्दों में बड़ा दम होता है। बोलते हुए वाणी और वचनों में जितनी मधुरता होगी, उतना ही ज्यादा सुनने वालों के दिल की गहराई में उतरना संभव हो पाता है। जबकि कटु या कठोर शब्द कहने वाले लोग सुनने वालों के दिलों में बसने के बजाय दिलों से निकल जाते हैं।

हालांकि विचारक पीटर ड्रकर का कहना है कि संवाद में बोलने से महत्वपूर्ण सुनना होता है। इसका कारण यही है कि दूसरों की बात सुनकर ही अपनी बात बेहतर और प्रभावशाली ढंग से कही जा सकती है। उदाहरण के तौर पर मिसरी अल्फाज रद्दी ही होंगे, अगर श्रोता या सामने वाला उन बातों को समझ नहीं पाता है।

शब्दों की गहराइयों के साथ ही भावनाओं में भी गहराई आती है। जब कोई कंठ से बोलता है, तो

दूसरे के कान से गहरा कभी नहीं जाता। उधर जब कोई हृदय से बोलता है, तो सामने वाले के हृदय तक चला जाता है। कर्णाग्रिय गीत-संगीत का ऐसा जादुई प्रभाव अमूमन हर सुनने वाला अनुभव करता ही है। सभी विचारकों ने शब्दों के सहारे जीवन के तीन सरल सूत्रों का जिक्र किया है- ‘सदा धीमे बोलो, कम बोलो और मीठा बोलो।’ यही मंत्र क्रोध और कटुता से बचाव की शक्तिशाली दीवार बन कर उभरता है।

जैसे हर मां अपने नवजात शिशु को दुलार से पुचकाती है और नंद न आए, तो लोरी सुना कर सुलाती है। गुरु नानक देव ने भी जो कुछ भी कहा या बोला, उसके लिए पद्य का सहारा लिया। उनकी वाणी का मार्ग माधुर्य और कोमलता से भरा था, अमृत रस से भरा था। दूसरे शब्दों में, उनका परम बोध और ईश्वरत्व का मार्ग गीतों और फूलों से भरा था। सुनने की तल्लीनता और बीच में न बोल पड़ना चित्त की शांति दर्शाता है। जब-जब चित्त शांत होता है, मन-मस्तिष्क में स्थिरता आ जाती है। और कई बार प्रतिक्रिया भी इसी मिठास से संचालित होती है।

एक फेरी वाला गुस्सैल स्वभाव से भरा और

गालीबाज था। उसके मधुर भाषी फेरी वाले पड़ोसी ने गुड़ बेचकर अच्छा-खासा कमा लिया और अपनी दुकान खोल ली। एक दिन वह अपनी पत्नी से बोला, ‘मैं भी कल से शहद नहीं, गुड़ बेचूंगा। मेरा शहद तो बिकता नहीं है।’ पत्नी ने समझाया कि शहद और गुड़ का धंधा बाद में करना, पहले शहद और गुड़ जैसा बोलना सीखो। अपनी आदत से मजबूर उसने पत्नी को डांटा-फटकारा और सिर पर गुड़ के टुकड़ों से भरा टोकरा उठा कर निकल पड़ा बेचने।

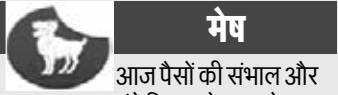
एक दिन वह सुबह-सबरे ही निकल गया, ताकि ज्यादा बिकने की गुंजाइश रहे, लेकिन बेचने के लिए आवाज लगाते उसके स्वर में गुस्सा भरा था। गुस्सैल आवाज में लोगों को पुकारता वह गली-गली, मुहल्ले-मुहल्ले घूमता रहता, लेकिन उसकी कर्कश वाणी के कारण कोई उससे गुड़ लेने को तैयार नहीं होता। कोई भूला-भटका उसका टोकरा उतरवाता और चखता, तो मुंह फेर लेता। बिना बोहनी किए यानी बिना गुड़ बेचे वह ढेर शाम थका-हारा घर लौट आया।

पत्नी से चिड़चिड़ेपन में कहने लगा कि ‘ग्राहक नालायक हैं, बेवकूफ हैं मटका उतरवाते हैं, चखते

हैं, मगर खरीदते नहीं।’ पत्नी ने फिर समझाया, ‘आप कब समझेंगे कि जो लोग खुशमिजाज होते हैं, प्रसन्नता और मधुरता से बोलते हैं, उनकी मिर्च भी बिक जाती है, लेकिन कटुभाषियों से लोग शहद, गुड़ या मिसरी भी नहीं खरीदते।’

दरअसल, शब्दों में मिठास से भावनाओं, रिश्तों और संस्कारों में भी बेहतरी होने लगती है। कबीर भी नसीहत देते हैं कि ‘ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय/ औरन को शीतल करे आहु शीतल होय।’ तात्पर्य यह है कि गुस्से में भी ऐसी मधुर वाणी का साथ नहीं छोड़ना चाहिए, ताकि कहने वाले का मिजाज शीतल रहे और सुनने वाला भी पुलकित हो जाए। ओशो के विचार में, भीतरी सौंदर्य को पाने का एक ही मंत्र है कि मीठा बोलो और मिठास घोलो। किसी को कुछ कहना हो, तो चौखने-चिह्नाने और अपशब्दों का प्रयोग करने से समय बर्बाद होता है, लोग समाधान की राह से दूर जाते हैं। इतना तय है कि क्रोध का बूलबुला संभलते ही सारे बिगड़ते काम स्वर्नरे लगते हैं। कई बार कुछ कहने की जल्दबाजी से पहले, शांत रह कर, स्वयं को सुनने भर से मीठा बोलने का रास्ता प्रशस्त होने लगता है।

आज का राशिफल



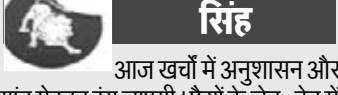
मेघ

आज पैसों की संभाल और ठंडे दिमाग से काम लेना होगा। समझदारी से चलना जरूरी है। घर-परिवार के खर्चों और भविष्य की सुरक्षा पर ध्यान जाएगा। पुराने खर्चों को दोबारा देखने की सलाह दे रहे हैं। दफ्तर में आपकी बातचीत से नए रास्ते खुल सकते हैं।



मिथुन

आज समझदारी से बचत और काम में प्राथमिकता देने होगी। पैसों से जुड़े विचार मन में चलते रहेंगे। आप कमाई बढ़ाने के तरीके सोचेंगे। किसी आकर्षक ऑफर के चक्कर में तुरंत फैसला न लें। ध्यान बचत और आर्थिक सुरक्षा पर जाएगा। दफ्तर में काफी हलचल रह सकती है।



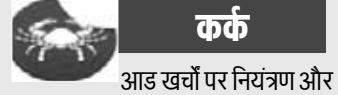
सिंह

आज खर्चों में अनुशासन और शांत मेहनत रंग लाएगी। पैसों के लेन-देन में अनुशासन रखना पड़ेगा। परिवार, यात्रा या निजी जिम्मेदारियों पर खर्च बढ़ सकता है। किसी को बिना सोचे पैसे उधार न दें। पुराने फैसलों को दोबारा जांचने की सलाह दे रहे हैं। आज संभलकर चलना ही फायदेमंद रहेगा। काम में धीरज रखने की जरूरत है।



गृष

आज बचत पर ध्यान और काम में निरंतरता आएगी। पैसों के मामले में स्थिरता बनाने पर ध्यान रहेगा। घर और परिवार की जरूरतों पर खर्च बढ़ा सकता है। कुछ खर्च जरूरी रहेंगे। फालतू चीजों की खरीदारी से बचने और पुरानी योजनाओं को दोबारा देखने की सीख दे रहे हैं। लगातार प्रयास करने से काम आगे बढ़ेगा।



कर्क

आड खर्चों पर नियंत्रण और संयम से बढ़त मिलेगी। पैसों की सुरक्षा मुख्य बात बन जाएगी। आप बचत, परिवार की जरूरतों और आने वाले कल के बारे में गंभीरता से सोचेंगे। आज दफ्तर के कामों से आप खुद को गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करेंगे।



कन्या

आज बजट का प्रबंधन और बेहतर बातचीत मामला निपट जाएगा। अपनी आर्थिक जरूरतों को लेकर बहुत मुस्तैद रहेंगे। आप अपने बजट को सही करने और खर्चों में नियम लाने की सोचेंगे। धरन भविष्य की सुरक्षा पर जाएगा। ऐसे लक्ष्यों पर टिके रहें जो लंबे समय तक फायदा दें।

वर्ग पहेली 6233

1	2	3		4		5	
6							
			7		8		9
10	11	12		13		14	
15				16		17	
				18		19	
20					21	22	23
24					25		

संकेत: बाएं से दाएं

- भारत के राज्य का प्रथम राज्यपाल होने का गौरव इस महिला को प्राप्त है (7)
- पहाड़ी ने नीचे की घाटी का मैदान (3)
- वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज (उर्दू) (1)
- यह नेपाल और बिहार में बहने वाली नदी है जिसे नेपाल में सार्विग्रामी कहते हैं (3)
- दुर्घटना, अनेहानी, विषाद (3)
- अवनमित, वक्र टेढ़ा (2)
- जिस्के दिल में रहम या करुणा का भाव हो, कुपारु, दयालु (5)
- शब्दकल, अर्थ महाकल्प (2)
- उमंग, मौज, तंरंग (3)
- यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
- पूर्व और उत्तर के मध्य का कोना (3)
- जल में विचरण करने वाली प्राणी (4)
- बलमा, प्रेमी, साजन, 1951 की देवानंद और सुरैया अभिनीत एक फिल्म (3)

ऊपर से नीचे

- चिर नवीन, चिरयुवा (5)
- देह के बाल, रोआं (2)
- जिस का बहुवचन, एक विलायती मदिरा (2)
- अम की पहाड़ी जंगलों में रहने वाली एक जाति, अनुविस्थिति, गैर हाजिरी (2)

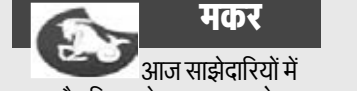
- यह टूर्नामेंट एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट और दुनिया का तीसरा सबसे पुराना टूर्नामेंट है (5)
- काजल शब्द का अपभ्रंश (3)
- ज्वलनशील, जलने वाला (5)
- गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
- समझौता, संधि, मुआहिदा (3)
- प्रेमपात्र, माशूक, दिल उड़ा ले जाने वाला (उर्दू) (4)
- धनवान, धनाढ्य (3)
- जिस्के दिल में रहम या करुणा का भाव हो, कुपारु, दयालु (5)
- तटुक-भड़क, टाट-बाट, वैभव (2)
- हल्का गीला, आर्द्र, नमस्कार, त्याग (2)

वर्ग पहेली 6232 का हल									
स	ऊ	दी	अ	र	व	म			
ग	ब	न		क	ख	म	त		
र		ए	त	ब	र	ल			
		इ	न		वाँ	वी			
	यु	ल	व		र	वी			
	स	ही	द		दे	र			
व			न	वी	ओ	स			
ह	वा	ना		ज	ल	द			



तुला

आज खर्चों की समीक्षा और बातचीत से राह निकलेगी। पैसों से जुड़े फैसलों को आज ध्यान से देखने की जरूरत है। खर्च करने की आदतों, वादों और जरूरतों को दोबारा जांचना सही रहेगा। शाम को घर या सुरक्षा से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं। अपनी योजना को सच के करीब रखें। दफ्तर में आज की बातचीत काफी अहम रह सकती है।



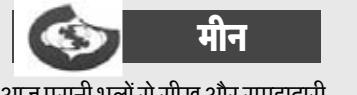
धनु

आज पुरानी देनदारियों की जांच और सतर्क कदम फायदा दिलाएगा। पैसों के मामले में आज बहुत सावधान रहने का दिन है। साझे के पैसों, कर्जों या पेंडिंग पड़े भुगतानों पर बारीक नजर रखें। कागजी काम में छोटी बातों को भी न छोड़ें। दस्तखत करने से पहले सब अच्छे से पढ़ें।



कृंथ

आज रोज के खर्चों पर रोक और काम में अनुशासन बनाए रखना होगा। रोज के खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखें। बेवजह की जिम्मेदारियों से बचें। राहुदेव के प्रभाव से नया प्रयोग करने का मन हो सकता है, पर फैसला पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही लें। दफ्तर में आज काम का दबाव ज्यादा रह सकता है।



मीन

आज पुरानी भूलों से सीख और समझदारी से बढ़त मिलेगी। पैसों की योजना में स्थिरता लाने पर ध्यान दें। भविष्य के खर्चों की तरफ ध्यान ले जाएगा। पुरानी आदतों से सीखने का इशारा कर रहे हैं। जोखिम भरे कामों से बचें और एक सुरक्षित बचत योजना बनाएं।

संक्षिप्त

समाचार

नोएडा-ग्रेनोमें नवरात्र से पहले ही 9 हजार गाड़ियों की बुकिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। नवरात्र में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के ऑटोमोबाइल बाजार में जोरदार तेजी आई है। शुभ मुहूर्त के 9 दिनों में 9,000 से अधिक नए वाहनों की डिलीवरी की तैयारी है। शुभ मुहूर्त में वाहन घर ले जाने के लिए लोगों ने पहले से बुकिंग करा रखी है। डीलरों के अनुसार, आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है। नए मॉडलों की लॉन्चिंग, त्योहारी छूट और शुभ दिनों में वाहन खरीदने की उर्पर घरा से मांग बढ़ी है। नवरात्र 11 से 19 अक्टूबर तक हैं। इन दिनों में डिलीवरी के लिए बड़ी संख्या में वाहन बुक किए गए हैं। दोपहिया और चार पहिया वाहन डीलरों के अनुसार नवमी पर डिलीवरी की मांग अधिक है। कर्मा हुंडई के मुख्य



बिजनेस अधिकारी मोहम्मद इमरान ने बताया कि नवरात्र में कारों की बुकिंग को लेकर ग्राहकों में उत्साह है। दो शोरूम से 150 से अधिक कारों की डिलीवरी की तैयारी है। मॉडल और कीमत के आधार पर ग्राहकों का रुझान अलग- अलग है। सागर मोटर्स के जीएम सेल्स दीपक वर्मा ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा के 5 शोरूम से 800 से अधिक वाहनों की डिलीवरी होगी। ग्राहक कम बजट वाली कारों पर टूट पड़ रहे हैं। आलम यह कि इस बार 10 लाख रुपये तक कीमत वाली कारों की बुकिंग सबसे ज्यादा है। मारुति, महिंद्रा समेत अन्य कंपनियों की 2,000 से अधिक कारों की डिलीवरी नवरात्र में होने की तैयारी है। दोपहिया वाहन डीलरों के अनुसार, एक सामान्य डीलरशिप से नवरात्र के दौरान औसतन 50 से 150 वाहनों की डिलीवरी होने की उम्मीद है। मांग को देखते हुए कई डीलरशिप पर डिलीवरी और पंजीकरण की तैयारियां बढ़ा दी गई हैं।

मजबूती फ्री नहीं मिलती, पीएम मोदी के प्रधान सचिव की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा का कहना है कि भारत की आर्थिक मजबूती की कोशिश का मतलब खुद को ग्लोबल मार्केट से अलग-थलग करना नहीं होना चाहिए।



उन्होंने बताया कि घरेलू उत्पादन सबसे सस्ते ग्लोबल मार्केट से सामान खरीदने की तुलना में महंगा हो सकता है। 15वें कोटिल्वे इकोनॉमिक कॉन्वलेव में पहुंचे मिश्रा ने कहा कि घरेलू क्षमता बनाने का फायदा मुश्किल या रुकावट के समय साफ दिखता है। उन्होंने कहा, 'घरेलू उत्पादन की लागत सबसे सस्ते ग्लोबल मार्केट से आयात करने से ज्यादा हो सकती है। इसका फायदा तभी पता चलता है जब कोई रुकावट आती है।' वह बोले, 'मजबूती का मतलब दुनिया से अलग-थलग रहना नहीं हो सकता। इसका मतलब यह होना चाहिए कि हम दुनिया के लिए खुले रहें। लेकिन, उस पर बहुत ज्यादा निर्भर या कमजोर न हों।' मिश्रा ने बताया कि अनिश्चितता आर्थिक व्यवहार को बदल देती है। कारण है कि बिजनेस तेजी से बदलते और अनिश्चित भविष्य को देखते हुए निवेश टालते हैं। सप्लायर बदलते हैं। ज्यादा इन्वेन्ट्री के साथ ही अतिरिक्त क्षमता बनाए रखते हैं। इसी तरह सरकारें भी रिजर्व बनाती हैं। फिस्कल बफर मजबूत करती हैं। ऐसी क्षमताओं में निवेश करती हैं जो सामान्य समय में महंगी लग सकती हैं। लेकिन, झटकों के समय बहुत काम आती हैं। इससे पता चलता है कि मजबूती हासिल करने में अतिरिक्त लागत आती है। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि वे मजबूती के लिए अतिरिक्त कीमत चुकाते हैं। आज हम दुनिया भर में ऐसा ही देख रहे हैं। कारण है कि अर्थशास्त्री हमें बताते हैं कि मजबूती मुफ्त नहीं मिलती।'

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम की 10 प्रतिशत रकम जेब से देनी होगी!

नई दिल्ली, एजेंसी। हेल्थ इंश्योरेंस लेने वाले लोगों के लिए बड़ा बदलाव सामने आ सकता है। गैर-जीवन बीमा कंपनियां 1 जनवरी 2027 से रिटेल हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में 10 प्रतिशत को-पेमेंट लागू करने पर विचार कर रही हैं। इसका मतलब है कि अस्पताल के इलाज का पात्र क्लेम मंजूर होने पर उसका 10 प्रतिशत हिस्सा ग्राहक को अपनी जेब से देना पड़ सकता है। हालांकि, ग्राहक का अधिकतम योगदान एक क्लेम पर 5 लाख रुपये तक सीमित रखने का प्रस्ताव है। इसके बदले ग्राहकों को कम सालाना प्रीमियम का फायदा मिल सकता है। यह प्रस्ताव जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के स्तर पर विचाराधीन है।

कैशलेस या रिडंबर्समेंट, 10 प्रतिशत हिस्सा देना होगा: टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक प्रस्ताव के तहत व्यापक हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी लेने वाले ग्राहकों को भी इलाज के लिए कुछ रकम अपने पास रखनी होगी। अस्पतालों में भर्ती होने के दौरान आने वाले पात्र खर्च का 10 प्रतिशत ग्राहक को देना होगा। यह नियम कैशलेस इलाज और रिडंबर्समेंट, दोनों तरह के क्लेम पर लागू हो सकता है। इसमें बीमारी के साथ-साथ दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने से जुड़े खर्च भी शामिल होंगे।



दूसरी पॉलिसी भी नहीं आणी काम

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि 10 प्रतिशत को-पेमेंट को किसी राइडर या एंडोसमेंट के जरिए हटाया, घटाया या बदला नहीं जा सकेगा। ग्राहक अपने 10 प्रतिशत हिस्से की रकम किसी दूसरी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी से भी नहीं ले सकेगा। यह प्रस्ताव रिटेल इंडेन्ट्री हेल्थ पॉलिसी, ग्रुप के तहत आने वाली रिटेल पॉलिसी, कॉम्बी प्रोडक्ट के इंडेन्ट्री हिस्से, इंटरनल माइग्रेशन और पोर्टेबिलिटी कारोबार पर लागू हो सकता है। हेल्थ इंश्योरेंस विशेषज्ञ श्रीराज देशपांडे ने कहा कि ग्राहक को यह चुनने का अधिकार होना चाहिए कि वह कम प्रीमियम वाली को-पेमेंट पॉलिसी लेना चाहता है या ऐसी पॉलिसी जिसमें पूरा खर्च कवर हो। उनके मुताबिक, जो ग्राहक ज्यादा प्रीमियम देकर बड़ा सम इंश्योर्ड लेना चाहता है, उससे इलाज के खर्च का एक हिस्सा फिर भी वसूलना उचित नहीं होगा। इससे लोग ज्यादा कवर वाली पॉलिसी लेने से भी पीछे हट सकते हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में एयर कंडीशनर बनाने वाली बड़ी कंपनियां अब अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स को उत्तर भारत से दक्षिण भारत की ओर ले जा रही हैं। इसके पीछे सरकार की प्रोडक्शन लिंकड इंसेंटिव योजना के साथ दक्षिण भारत में तेजी से बढ़ती की मांग भी बड़ी वजह है।



पिछले पांच वर्षों में जैसी बड़ी एसी कंपनियों ने आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में अपनी नई फैक्ट्रियां शुरू की हैं। इसके अलावा, टाटा ग्रुप की कंपनी ने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में अपने एसी मैनुफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किए हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक श्रीपेरंबुदूर में सैमसंग इंडिया के मौजूदा प्लांट के साथ मिलकर ये सभी इकाइयां 100 किलोमीटर लंबे 'श्रीपेरंबुदूर-चेन्नई-श्री सिटी' कॉरिडोर को देश के सबसे नए और बड़े एसी मैनुफैक्चरिंग बेल्ट में बदल रही हैं। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में तमिलनाडु की सीमा

का काम कर रही हैं। इन कंपनियों की कुल उत्पादन क्षमता अगले साल करीब 80 लाख एसी यूनिट तक पहुंचने की



मैनेजिंग डायरेक्टर रविंद्र सन्नारेड्डी ने यहां एसी के प्रोडक्शन को लेकर ये बातें बताईं: पिछले पांच साल में यहां करीब 10 भारतीय और विदेशी एसी कंपनियों ने निवेश किया है। इसके अलावा 34 कंपनियां के कंपोनेंट बनाने

उम्मीद है। वर्ष 2027 तक भारत में बनने वाले कुल एसी में से लगभग 60 प्रतिशत उत्पाद अकेले श्री सिटी से आ सकते हैं। अगर पास के तमिलनाडु में स्थित सैमसंग, मित्सुबिशी और वोल्टास के प्लांट्स को जोड़ दिया

उधर अमेरिका से बढ़ रही टेंशन

इधर भारत के साथ कनाडा ने सेट कर दिया 6.7 लाख करोड़ का टारगेट



अभी सीक्रेट है बातचीत

व्यापार समझौते से जुड़े अहम सेक्टरों के बारे में बात करते हुए मंत्री ने कहा कि बातचीत जारी होने के कारण इसकी बारीकियां अभी गोपनीय हैं। लेकिन, सप्लाय चेन में विविधता लाने पर काफी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'बातचीत जारी है। इसलिए मीडिया की जरिए इसकी जानकारी देते समय मैं बहुत सावधानी बरतूंगा। हालांकि, मेरी बातों से आप समझ सकते हैं कि यह सहयोग के बारे में है। भारत अपनी कुछ सप्लाय चेन में विविधता लाना चाहता है। अगर हम जरूरी मिनरल की बात करें तो भारत का ऑटो सेक्टर बढ़ रहा है। बैटरी के लिए कनाडा पश्चिमी गोलार्ध का एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास इलेक्ट्रो-पीडॉक बनाने के लिए हर जरूरी चीज मौजूद है। इसलिए हम इसमें अपना योगदान दे सकते हैं।'

ट्रेड एग्रीमेंट को तेजी से आगे

बढ़ाने पर सहमत

इससे पहले केद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत और कनाडा 'कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट' के लिए बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। बातचीत का अगला दौर 5 अक्टूबर से शुरू होगा। गोयल ने बताया कि उन्होंने पिछले हफ्ते मुंबई में अपने कनाडाई समकक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्ध के साथ प्रस्तावित ट्रेड एग्रीमेंट के लिए बातचीत का चौथा दौर पूरा किया। उन्होंने कहा, 'मैंने शुक्रवार को मुंबई में अपने समकक्ष मनिंदर सिद्ध के साथ कनाडा ट्रेड डील के लिए बातचीत का चौथा दौर पूरा किया। बातचीत बहुत फायदेमंद रही। दोनों पक्ष बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सहमत हुए हैं। इसके बाद हमारी टीम अब पांचवें दौर के लिए जाने वाली है। यह 5 अक्टूबर को होगा। तो आप देख सकते हैं कि जैसे-जैसे प्रगति हो रही है, कनाडा के साथ बातचीत की रफ्तार भी बेहतर हो रही है। देखते हैं, अगले 90 दिन कनाडा-भारत संबंधों के लिए बहुत अहम समय साबित होंगे।'

एक दशक से लटका है ट्रेड एग्रीमेंट

यह ताजा दौर दोनों देशों की ओर से एक व्यापक ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने की नई कोशिशों के बाद आया है। सिद्ध की 18-19 सितंबर की मुंबई यात्रा से पहले कनाडा ने कहा था कि नए षष्ठ्यक्रमझौते के लिए बातचीत के तीन दौर पूरे हो चुके हैं। दोनों पक्षों का टारगेट 2026 के अंत तक बातचीत पूरी करना है। भारत और कनाडा व्यापक ट्रेड एग्रीमेंट के लिए एक दशक से ज्यादा समय से बातचीत कर रहे हैं। बातचीत औपचारिक रूप से मार्च 20 में फिर से शुरू की गई। थी।

लो फैट डेयरी व्हाइटनर पर संकट, एफएसएसएआई ने लगाई बिक्री पर रोक



जो कि 'द ललित' के नाम से यहां फाइव स्टार होटल चलाता है, से नेस्ले के लो फैट डेरी व्हाइटनर का सैंपल उठया गया था। यह जांच में अनसेफ और सब-स्टैंडर्ड पाया गया है। इसके बाद

एफएसएसए एकट 2006 के तहत डायरेक्टिव जारी किया है। साथ ही इस प्रोडक्ट की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। एफएसएसएआई के मुताबिक नेस्ले के 'लो फैट डेयरी

व्हाइटनर' का सैंपल नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित भारत होटल्स लिमिटेड (द ललित) के परिसर से लिया गया था। इस सैंपल को जांच के लिए फूड एनालिस्ट के पास भेजा गया। फूड एनालिस्ट की लैब रिपोर्ट में नेस्ले का सैंपल अनसेफ और सब-स्टैंडर्ड पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोडक्ट फूड सेफ्टी और स्टैंडर्ड एक्ट 2006 के निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं था। इसका मतलब है कि जांच किए गए सैंपल को खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता से जुड़े मानकों पर खरा नहीं पाया गया। ललित होटल चलाने वाली कंपनी भारत होटल्स लिमिटेड (द ललित) को भी इस मसले में नोटिस मिला है।

उत्तर से दक्षिण की ओर शिफ्ट का कारण

भारत में एसी मैनुफैक्चरिंग की शुरुआत 1980 के दशक में गुरुग्राम में अमेरिकी कंपनी कैरियर के साथ हुई थी, जिसके बाद 2008 में जापानी दिग्गज खंडाकिन ने राजस्थान के नीमराना में प्लांट लगाया था। लेकिन अब यह उद्योग तेजी से दक्षिण भारत की ओर शिफ्ट हो रहा है। इसके पीछे दो मुख्य रणनीतिक और व्यावसायिक कारण हैं। लॉजिस्टिक्स और माल ढुलाई खर्च में बड़ी बचत श्री सिटी स्थित एक एसी कंपनी के प्लांट मैनेजर ने बताया कि दक्षिण भारत के बाजारों के पास मैनुफैक्चरिंग प्लांट लगाने के बड़े आर्थिक फायदे हैं। चेन्नई या श्री सिटी में फैक्ट्री लगाने से प्रति एसी लगभग 1200 रुपये तक की लागत बच जाती है। श्री सिटी चेन्नई पोर्ट से केवल 65 किलोमीटर दूर है। एसी के 50-60 प्रतिशत पार्ट्स आयात किए जाते हैं। इसलिए पोर्ट पास होने से कच्चे माल की आवक और तैयार माल के निर्यात दोनों में आसानी होती है। उत्तर भारत से दक्षिण तक सामान भेजने में जहां 12 दिन का समय लगता था, वह अब घटकर महज 3 दिन रह गया है।

दुनिया को होगा फायदा, नितिन गडकरी ने दिया खास बैंक बनाने का आइडिया



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए एक अंतरराष्ट्रीय आचार संहिता बनाने की जरूरत बताई है। उन्होंने कहा कि भारत को बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर की अहम भूमिका है। गडकरी ने यह बात नागपुर में आयोजित एशियन सिनेरियो ऑन इंफ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट सम्मेलन में कही। इस दौरान उन्होंने सुझाव दिया कि दुनिया के अलग-अलग देशों में विकसित हो रही नई तकनीकों, रिसर्च और विचारों को एक जगह लाने के लिए एक समर्पित वेबसाइट बनाई जानी चाहिए। इसे 'बैंक ऑफ आइडियाज' के तौर पर विकसित किया जा सकता है। गडकरी ने

कहा कि इससे पूरी दुनिया के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को फायदा होगा। गडकरी ने कहा कि सड़क आचार संहिता बनाने का इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ह्यूड्रू अब तक करीब 80 टन नगर निगम के कचरे का इस्तेमाल सड़क निर्माण में कर चुका है।

उन्होंने कहा कि नागपुर-जबलपुर हाईवे पर करीब एक किलोमीटर सड़क बायो-बिटुमेन से बनाई गई है। सड़क निर्माण में रबर टायर का पाउडर, प्लास्टिक और दूसरे कचरे के इस्तेमाल पर भी काम चल रहा है। हालांकि, गडकरी ने कहा कि ऐसी सामग्री का इस्तेमाल करते समय सड़क की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए।

इस हफ्ते 8वें पेकमीशन की बड़ी मीटिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें पेकमीशन की इस हफ्ते बड़ी मीटिंग है। आयोग बेंगलुरु में कर्मचारियों और पेंशनर्स से जुड़े संगठनों से मिलने आ रहा है। यह बैठक 7 और 8 अक्टूबर 2026 को होगी। बता दें, बेंगलुरु मीटिंग में शामिल होने के लिए सभी स्टेट होल्डर्स को 18 सितंबर तक यूनिक मेमो आइडी ले लेना था। जिनके बाद यह आइडी होगी वही लोग इस बैठक में हिस्सा ले पाएंगे। इस बैठक में सभी स्टेटहोल्डर्स अपनी डिमांड्स, चुनौतियां आदि से पेकमीशन को अवगत कराएंगे। जिन बातों पर सबसे अधिक चर्चा होने की उम्मीद है उसमें फिटमेंट फैक्टर, डीए, एचआरए आदि हैं। इसके अलावा पेंशन में भी सुधार की मांग आयोग के सामने आ सकती है। आयोग की अक्टूबर में ही बैठक करने जा रहा है। यह मीटिंग 22 और 23 अक्टूबर को होगी। इसमें हिस्सा लेने के लिए सभी स्टेटहोल्डर्स को 10 अक्टूबर तक यूनिक मेमो आइडी ले लेना होगा। बता दें, इससे पहले पेकमीशन की मीटिंग दिल्ली, लखनऊ जैसे कई शहरों में हो चुकी है।

फिटमेंट फैक्टर 4 की हो रही डिमांड

5 साल में 3921 प्रतिशत का रिटर्न, कंपनी दे रही है 1 पर 2 शेयर बोनस



नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते तीन कंपनियों के शेयर एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। इसी में एक कंपनी जीटीवी इंजीनियरिंग लिमिटेड है। कंपनी शेयर बाजार पर एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 2 शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा।

इस कंपनी के शेयर इसी हफ्ते 7 अक्टूबर को एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे। कंपनी ने निवेशकों को एक शेयर पर दो शेयर बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी पिछले साल एक्स-बोनस ट्रेड की थी। तब भी योग्य निवेशकों को 1 पर 2 शेयर ही बोनस बांटा गया था। कंपनी शेयर बाजार में 22 सितंबर 2025 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। आखिरी बार निवेशकों को 0.10 रुपये का डिविडेंड बांटा गया था। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी ने पहली बार डिविडेंड पिछले साल फरवरी में दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया था। गुरुवार को कंपनी के शेयर 1 प्रतिशत की गिरावट के बाद बीएसई में 67.97 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 16 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

फीचर

अंकित गुप्ता से ब्रेकअप पर प्रियंका चौधरी ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

टीवी अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल 2’ में नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके शहजाद पूनावाला के साथ लड़ाई के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन सबके बीच अब अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, कई वर्षों से ऐसी खबरें आती रही कि वह ‘उड़ारिया’ के को-स्टार अंकित गुप्ता को डेट कर रही थीं, लेकिन पिछले साल दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉडकास्ट ‘ऑनैस्टली व्हाई नोट’ में प्रियंका ने पहली बार अंकित के साथ अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वह अंकित से शादी करना चाहेंगी।

क्या बोलीं प्रियंका

कई वर्षों तक अपने रिश्ते को छिपाने के बाद प्रियंका चाहर ने पहली बार इस बारे में खुलकर बात की। उन्होंने पहली बार अपने ब्रेकअप का जिक्र करते हुए कहा, ‘यह उसके और मेरे बीच की बात है। कई बार किसी रिश्ते का अच्छा होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि दो लोग साथ हैं या नहीं।’ बातचीत के दौरान होस्ट ने प्रियंका से पूछा कि अगर अंकित सही लोगों के साथ नहीं हैं, तो उन्हें सही दिशा कौन दिखा सकता है। इस पर ‘नागिन 7’ की एक्ट्रेस ने कहा, ‘कोई भी किसी दूसरे को दिशा नहीं दिखा सकता। हम दोनों काफी समझदार हैं, हमने अपनी जिंदगी खुद बनाई और आगे भी खुद ही बनाएंगे। मैं उनकी जिंदगी में क्या चल रहा है, उसमें

नहीं जाना चाहती। हम सभी बड़े हो चुके हैं और जिंदगी देख चुके हैं, इसलिए हमें पता है कि क्या करना है। एक-दूसरे के साथ रहकर उन्हें गाइड करना, मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ होगा। वह बहुत अच्छे इंसान हैं।’

रैपिड फायर में बोलीं प्रियंका

इसके बाद रैपिड फायर राउंड में प्रियंका से पूछा गया कि अगर उन्हें अभिषेक मल्हान, नमिक पॉल और अंकित गुप्ता में से किसी एक को ‘किल, मैरी और हुकअप’ करना हो तो वह किस चुनेंगी। प्रियंका ने थोड़ा झिझकते हुए कहा कि वह ‘बैटलग्राउंड’ में अपनी दुश्मनी की वजह से अभिषेक मल्हान को किल करेंगी। ‘नागिन 7’ के को-स्टार नमिक पॉल के साथ हुकअप करेंगी और अंकित गुप्ता से शादी करेंगी। प्रियंका ने कहा, ‘मैं अंकित गुप्ता से शादी करना चाहूंगी। वह शादी के लायक हैं।’

ब्रेकअप पर बोलीं प्रियंका

जब प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्हें अंकित से ब्रेकअप करने का अफसोस है और उनके मुताबिक उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की उनकी जगह ले सकती है, तो अभिनेत्री ने कहा, ‘मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का अफसोस नहीं है। मैंने जो भी फैसला लिया, वह ठीक है। और मैं कौन होती हूँ, यह तय करने वाली कि उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की मेरी जगह ले सकती है? एक्स को एक्स ही रहने दो।’

शादी के बाद बदली अविका गौर की जिंदगी

अभिनेत्री अविका गौर इस समय अपनी शादीशुदा जिंदगी का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि शादी के बाद उनकी जिंदगी किस तरह बदल गई है और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला है। अभिनेत्री ने बताया कि शादी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार हमेशा बड़े-बड़े रोमांटिक जेस्चर में नहीं होता बल्कि एक-दूसरे को समझने और साथ रहने में होता है।

अभिनेत्री ने कहा, ‘पहली साल मुझे समझ आया कि प्यार बड़े-बड़े जेस्चर से ज्यादा एक-दूसरे को समझने में है और ये समझना कि कब स्पेस देना, कब सुनना, कब बातों को हंसी में टाल देना है। सबसे जरूरी, यह जानना है कि भले ही आप किसी छोटी सी बात पर लड़ रहे हो, फिर भी आप एक ही टीम में हैं।’ अभिनेत्री का मानना है कि एक दूसरे के साथ रहने का मतलब आम पलों में भी सुकून ढूंढना है। उन्होंने बताया, ‘जैसे हम साथ में हैं, कुछ भी नहीं कर रहे हैं लेकिन फिर भी यह एहसास हो कि आप सही जगह पर हैं और हां, मैंने ये भी सीखा है कि कभी-कभी शांति बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका ये मान लेना है कि आप गलत हैं, भले ही आपके मन में बिल्कुल सही हो। कभी-कभी गहराई से सोचना न सिर्फ आपके रिश्ते को बेहतर बनाता है बल्कि आपको एक बेहतर इंसान भी बनाता है।’

अविका गौर ने यह भी बताया कि शादी के बाद प्यार को लेकर उनकी सोच कैसे बदल गई। उन्होंने कहा, ‘बिल्कुल। शादी से पहले हम प्यार को बहुत रोमांटिक बना देते हैं, बड़े-बड़े पल, डेट्स, सरप्राइज, दिल की धड़कन बढ़ना। शादी के बाद समझ आता है कि प्यार ग्राउंडी लिस्ट में भी है, 400वीं बार ये तय करने में भी है कि डिनर में क्या खाना है, जिम्मेदारियां बांटने में और एक-दूसरे की अजीब आदतों को सहने में भी है।’

सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिर काम करने वाली थीं परिणीति क्यों नहीं बन पाई फिल्म?

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने साल 2013 में आई फिल्म ‘शुद्ध दैसी रोमांस’ में साथ काम किया था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए एक्टर को याद किया और उनसे जुड़े कुछ किस्से भी शेयर किए। परिणीति ने बताया कि जब सुशांत को उनके नेशनल अवॉर्ड मिलने की खबर पता चली थी, तो वह उनके लिए खुश हुए थे। परिणीति ने सुशांत को अपना बड़ी और चौयरलीडर बताया।

क्या बोलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति ने शूटिंग के दौरान का एक खास किस्सा बताया। एक ब्रेक के दौरान वह होटल के पूल के पास सुशांत और दिवंगत दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के साथ बैठी थीं। तभी फिल्ममेकर करण जोहर का उन्हें मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि मुबारक हो। परिणीति ने बताया, ‘मुझे करण जोहर का मैसेज आया और उसमें लिखा था मुबारक हो। मैं सोच रही थी कि किस्सा बात के लिए। सुशांत काफी एक्साइटेट हो गए और उन्होंने कहा कि वह पता लगाएंगे।’ फिर जब पता चला कि नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हो गई है, तो सुशांत खुशी से पूल के पास रखी कुर्सियों पर चढ़ गए और बोले कि मैं नेशनल अवॉर्ड विनर के साथ काम कर रहा हूँ। इस पल को याद करते हुए परिणीति ने कहा, ‘मैंने कभी किसी को मेरे लिए इतना एक्साइटेट और इतना खुश होते हुए नहीं देखा। ऋषि सर ने कहा कि तुम दोनों पागल हो गए हो। सुशांत ने मुझे गले लगाया और मैं रोने लगीं।’

फिर साथ काम करने वाले थे परिणीति और सुशांत?

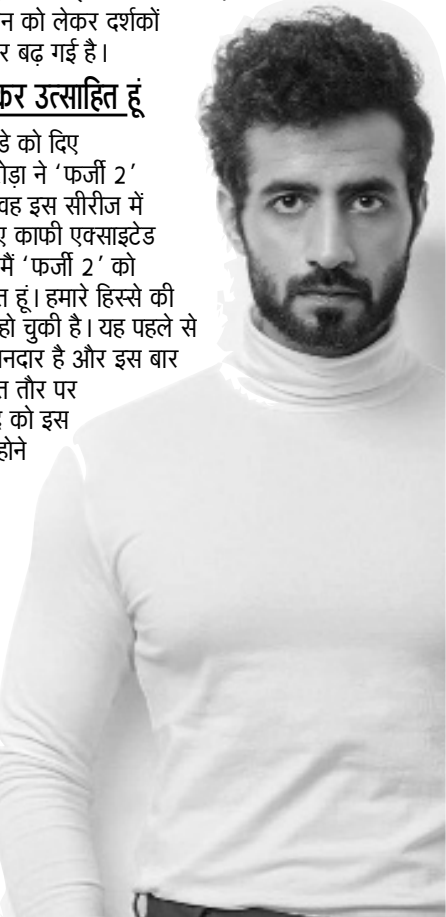
फिल्म से अलग भी परिणीति और सुशांत के बीच अच्छी दोस्ती थी। दोनों के बीच पढ़ाई और दूसरे विषयों को लेकर भी बातचीत होती थी। परिणीति ने बैंकिंग की पढ़ाई की है, जबकि सुशांत ने एक्टिंग में आने से पहले इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बारे में बात करते हुए परिणीति ने कहा, ‘सुशांत और मैं पढ़ाई से जुड़ी बातें किया करते थे। हम स्टार्स, इकोनॉमिक्स और दूसरी चीजों के बारे में बात करते थे। वह मुझे बहुत समझता था और मैं भी उसे समझती थी।’ परिणीति ने यह भी बताया कि दोनों एक फिल्म में साथ काम करने वाले थे, जिसे होमी अदजानिया डायरेक्ट करने वाले थे। हालांकि, यह फिल्म किसी वजह से आखिरकार नहीं बन सकी।

‘फर्जी 2’ को लेकर भुवन अरोड़ा ने किया खुलासा

शाहिद कपूर स्टारर ‘फर्जी 2’ सीरीज को लेकर फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। अब एक्टर भुवन अरोड़ा ने सीरीज को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक्टर के इस अपडेट के बाद सीरीज के नए सीजन को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

‘फर्जी 2’ को लेकर उत्साहित हूं

हाल ही में इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में भुवन अरोड़ा ने ‘फर्जी 2’ को लेकर कहा कि वह इस सीरीज में वापस लौटने के लिए काफी एक्साइटेट हैं। उन्होंने बताया, ‘मैं ‘फर्जी 2’ को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। हमारे हिस्से की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह पहले से बड़ा, बेहतर और शानदार है और इस बार पागलपन भी निश्चित तौर पर ज्यादा होगा। मैं खुद को इस प्रोजेक्ट का हिस्सा होने पर काफी लकी महसूस करता हूँ।’ हालांकि, भुवन अरोड़ा ने सीरीज से जुड़ी ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि ‘फर्जी’ के बारे में विस्तार से बात करने का अभी एक और मौका आएगा।



मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब हो रहा है

अजय देवगन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म ‘दृश्यम 3’ को लेकर चर्चा में हैं। अजय देवगन ने कहा- चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलग्नांवकर या गोपाल या सिंधम चला है, लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। उन्होंने कहा है- मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है, हड़ियां अब दर्द होती हैं।

हिंदी की टारगेट ऑडियंस पता नहीं

उन्होंने कहा, ‘मैं किसी दूसरे सिनेमा का क्रेडिट कम नहीं कर रहा। आप पारंपरिक सिनेमा कहें या इंटरनेशनल, हर जगह फिल्म बनाना मुश्किल काम है, पर मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आपको पता ही नहीं होता कि आपकी टारगेट ऑडियंस कौन है। जब आप पंजाबी, तेलुगु या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आपको अपना दर्शक वर्ग पता होता है, क्योंकि वह एक खास जगह के लिए

बनाई जा रही है। आपको वहां के दर्शकों की नब्ब पता होती है तो आप उसी हिसाब से फिल्म बनाते हैं। जबकि, हिंदी में हर 80-90 किमी के बाद भाषा बदल जाती है, लोग की सोच बदल जाती है। यहां मास और क्लास का फर्क है। शहरी दर्शक, छोटे शहरों के दर्शक, सबअर्बस के दर्शक, तो होता क्या है कि एक वर्ग के दर्शकों को फिल्म पसंद आती है, तो दूसरे को नहीं आती, जिससे बिजनेस उतना बड़ा नहीं हो पाता। यहां हमें हर किसी को टारगेट करना पड़ता है, इसलिए मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म लिखना और बनाना सबसे मुश्किल काम है।’

सीक्वल नहीं, किरदार चलते हैं

यहां दृश्यम के सीक्वल की सफलता पर बात करते हुए अजय देवगन ने कहा, ‘मेरा मानना है कि सीक्वल नहीं किरदार चलते हैं। आप किसी भी सीक्वल को उठाकर देख लो, वो चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलग्नांवकर या गोपाल या सिंधम चला है। जब लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। आप किसी फिल्म का सीक्वल सिर्फ इसलिए सीक्वल नहीं बना सकते क्योंकि वह बहुत कमाल की थी और लोगों ने उसे खूब पसंद किया। लोगों को उन किरदारों से प्यार होना चाहिए।’

किरदार से अटैच हुए तो पागल हो जाएंगे क्या इतने लंबे समय तक एक किरदार को बार-बार निभाते हुए अजय उनसे अटैचमेंट भी महसूस करते हैं? इस सवाल पर उनका कहना था, ‘नहीं, मैं किरदार के साथ अटैच नहीं होता हूँ। हां, आप उस किरदार को पसंद करने लगते हैं लेकिन अगर एक्टर अपने किरदारों से अटैच होने लगेंगे तो वे पागल हो जाएंगे। तो आपको पता ही नहीं चलेगा कि आप असल जिंदगी में कौन हैं। आप अपनी असल जिंदगी में भी किरदार ही निभाने लगेंगे। तो आपको उससे डिटेच होना जरूरी है।’

ऑडियंस हमसे आगे निकल चुकी है

बदलते वक्त के साथ खुद को री-इन्वेंट करने के सवाल पर उन्होंने कहा, ‘मुझे नहीं लगता कि हम खुद को री-इन्वेंट कर रहे हैं। असल में हम दर्शकों की सोच के साथ बस कदमताल करने की कोशिश कर रहे हैं। कोविड महामारी के बाद हमें यह समझ में आया कि उस दौरान जब दर्शक घरों में बैठे थे, उन्होंने इंटरनेशनल और हर भाषा का भारतीय सिनेमा खूब देखा। फिर जब चीजें सामान्य हुईं और हमने दोबारा फिल्में रिलीज करनी शुरू कीं तो हमें अहसास हुआ कि दर्शक हमसे काफी आगे निकल चुके हैं और अब हमें उनके साथ कदम मिलाने की जरूरत है। हम वही कोशिश कर रहे हैं और दर्शक जिस तेजी से बदल रहे हैं, उनके साथ कदम मिलाना मुश्किल है। वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए हमें लगातार सुधार करना होगा, सीखना होगा और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि दर्शक हमसे ज्यादा समझदार हैं। हम उन्हें बेवकूफ नहीं बना सकते।’



लॉक अप: रियलिटी शो के सीजन 2 का एलान फिर जेलर बनेंगे रितेश देशमुख और फराह खान

पहले सीजन से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अब यह शो ‘लॉक अप: सच या सजा’ नेटपिलक्स पर नए सीजन के साथ लौटेगा। दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट हो गया है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। रियलिटी शो ‘लॉक

अप: सच या सजा’ में एक बार फिर रितेश देशमुख और फराह खान जेलर की भूमिका में नजर आएंगे। दूसरे सीजन में नए कंटेस्टेंट्स जेल के अंदर एंट्री लेंगे। शो का फॉर्मेट पहले सीजन की तरह ही रहेगा। इसमें कंटेस्टेंट्स को जेल के अंदर रहना होगा, अलग-अलग टास्क करने होंगे और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े सवालों का भी सामना करना होगा। इस शो को एकता कपूर, शोभा कपूर और मनीषा शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। पहले सीजन को दर्शकों के बीच काफी चर्चा मिली थी। नेटपिलक्स के मुताबिक, शो को सोशल मीडिया और लोगों के बीच चर्चा के जरिए 5 अरब से ज्यादा व्यूज मिले थे। शो के कई पल सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा में रहे थे।

पहले सीजन में खूब

हुआ था झामा ‘लॉक अप’ के पहले सीजन में कंटेस्टेंट्स ने अपनी जिंदगी से जुड़े कई राज और निजी कहानियां शेयर की थीं। शो में जमकर बहस और टकराव भी देखने को मिले थे। फिनले में पूर्व कंटेस्टेंट्स और जेलर्स से श्रेया और शिवांगी में से विजेता चुनने के लिए कहा गया था, जिसके बाद श्रेया ने जीत हासिल की।

कब आएगा ‘लॉक अप 2’

‘लॉक अप: सच या सजा’ के दूसरे सीजन को मलाया प्रधान शो रन कर रही हैं। यह शो नेटपिलक्स पर स्ट्रीम होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट्स के नाम और शो की प्रीमियर डेट का एलान नहीं किया है।

संक्षिप्तसमाचार

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा, अब ओलंपिक में जगह बनाने पर नजरें: अनाहत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली अनाहत सिंह फाइनल की हार से उबरकर अब 2028 लॉस एंजलिस ओलंपिक में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सीधे क्वालीफिकेशन का मौका गंवाने के बाद 18 वर्षीय खिलाड़ी अगले 18 महीनों में अधिक टूर्नामेंट खेलकर पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं।

अनाहत सिंह जानती थीं कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना ‘बहुत यथार्थवादी’ लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्ववाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्ववाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की – मलयेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुबमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। स्वदेश लौटने के बाद अनाहत ने कहा, ‘मैं निश्चित रूप से काफी निराश थी। दोबारा खुश होने या थोड़ा बेहतर महसूस करने में मुझे कुछ दिन लगे। फाइनल में हारना अच्छा नहीं लगता, विशेषकर तब जब आप किसी बड़े मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद खिताब के इंतन करीब पहुंच जाते हैं।’ उन्होंने कहा, ‘मैं सकारात्मक पहलुओं को देखने की कोशिश करूंगी और इसे इस रूप में देखूंगी कि मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है। अगर मैं शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन कर सकती हूँ तो इसमें मेरे लिए कई अच्छी बातें भी हैं।’

गोल्ड जीतने वाली प्रणवी उर्स को आईजीयू देगा 10 लाख रुपये

गोल्फ टीम की सदस्यों को मिलेंगे तीन-तीन लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फ संघ ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्रणवी उर्स के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। वहीं रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की अदिति अशोक और दीक्षा डगार को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे।

भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की प्रत्येक सदस्य को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रणवी के अलावा भारतीय टीम में अदिति अशोक और दीक्षा डगार शामिल थीं। आईजीयू अध्यक्ष बुजिंदर सिंह ने कहा, ‘2026 एशियाई खेलों में शानदार स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रणवी को हार्दिक बधाई। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है और यह उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।’

भारत ने चौथे स्थान पर रहकर समाप्त किया अभियान

आइची नागोया (एजेंसी)। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो गया है। निशानेबाज नीरू ढांडा दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ भारत की महिला ध्वजवाहक बनकर समारोह में पहुंचीं। भारत ने पुरुष हॉकी में स्वर्ण के साथ अभियान खत्म किया और 21 स्वर्ण समेत कुल 85 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखीं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं।

● पिछली बार की तुलना में कम आए पदक – भारत का कुल पदक आंकड़ा पिछले संस्करण की तुलना में 21 कम हो गया, जबकि हांगझू 2022 खेलों की तुलना में स्वर्ण पदक की संख्या सात कम रही। भारत ने हांगझू में कुल 106 पदक जीते थे और पहली बार 100 पदक के आंकड़े को पार किया था। आइची-नागोया अभियान एक मिला-जुला सफर रहा, जहां कुछ उम्मीद के मुताबिक आए परिणामों की जगह निराशाओं ने ले ली, लेकिन अंत में एक मजबूत फिनिश ने पूरे अभियान का रंग-रूप बदल दिया।

ध्वजवाहकों के बाद खिलाड़ी स्टेडियम में पहुंचे

ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर सपोर्ट स्टाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी।

आखिरी दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाते में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

भारत के किस खेल में कौन से पदक

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
तीरंदाजी	5	2	2	9
एथलेटिक्स	1	9	14	24
बैडमिंटन	0	0	1	1
बॉक्सिंग	3	0	3	6
क्रिकेट	2	0	0	2
गोल्फ	1	1	0	2
हॉकी	2	0	0	2
कबड्डी	2	0	0	2
कूराश	0	0	1	1
मार्शल आर्ट्स	0	0	1	1
रोइंग	0	0	1	1
सेलिंग	0	1	2	3
सेपकटकरा	0	0	1	1
शूटिंग	3	8	4	15
सॉफ्ट टेनिस	0	0	1	1
स्ववेश	0	2	3	5
टेबल टेनिस	0	0	1	1
वेटलिफ्टिंग	0	1	0	1
कुश्ती	2	2	2	6

21 स्वर्ण और 85 पदक के साथ चौथे स्थान पर भारत

भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलयेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई, जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

4 गोल्ड ज्यादा जीते, हॉकी का ओलंपिक टिकट मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं। उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।

2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल – भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।

बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्कोश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है।

हार्दिक पंड्या ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

मार्च में आखिरी इंटरनरेशनल मैच खेला था; उनकी जगह सूर्याश शेडगे को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज इसी महीने 6 से 11 अक्टूबर के बीच पुडुचेरी में खेली जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी जगह ऑलराउंडर सूर्याश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। सूर्याश ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे पहले ही टीम के साथ जुड़ गए हैं। हार्दिक ने आखिरी बार आईपीएल 2026 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच मार्च में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप जीता

● जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया; स्मरण का शतक, मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। श्रीनगर में 1 से 5 अक्टूबर तक खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 और दूसरी पारी में 319 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम पहली पारी में 278 और दूसरी पारी में 111 रन पर ऑलआउट हो गई।

मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए – दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। टीम 28.4 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। कामरान इकबाल ने 32 और शुभम खजूरिया ने 36 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका।

350 रन बनाने के बावजूद तीसरी बार हारा भारत, राहुल का शानदार शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन बनाए थे। इसके बावजूद उसे हार झेलनी पड़ी। यह तीसरा मौका है, जब टीम 350+ रन बनाकर भी हार गई। शनिवार को वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में टारगेट हासिल किया। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है।

रोहित सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले ओपनर

रोहित शर्मा बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। भारत-वेस्टइंडीज तीसरे वनडे के टॉप रिकॉर्ड्स बने।

● भारत 350+ रन भी डिफेंड नहीं कर सकी – भारत को तीसरी बार 350+ रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐसा हुआ था।

● सचिन-जयसूर्या का क्लब में शामिल हुए रोहित – रोहित शर्मा ने वनडे में ओपनर के तौर पर 10 हजार रन पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या और क्रिस ने यह उपलब्धि हासिल की। रोहित सबसे कम 202 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। उनसे पहले सचिन ने 214 पारियों में 10 हजार रन बनाए थे।

● रोहित 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए – रोहित ने ऋगुराज के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। वे 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए। सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं।

● भारत ने 7.43 के रनरेट से बल्लेबाजी की – भारत ने वनडे सीरीज में 7.43 के रन रेट से रन बनाए। यह 3 या उससे ज्यादा मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन रेट है। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है। टीम ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.15 के रनरेट से बल्लेबाजी की थी।

● भारत ने 45वीं बार 350+ रन बनाया – भारत ने 7 विकेट पर 351 रन बनाए। टीम ने 45वीं बार वनडे में 350+ का टोटल बनाया। साउथ अफ्रीका 36 बार के साथ दूसरे नंबर पर है।

● भारत ने सीरीज में सबसे ज्यादा 45 छक्के लगाए – भारत ने 3 मैचों में 45 छक्के लगाए। यह तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी टीम के सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले इंग्लैंड ने 2021 में तीन मैचों में भारत के खिलाफ ही 37 छक्के लगाए थे। भारत किसी भी द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में इंग्लैंड के साथ चौथे नंबर पर है।

न्यूज़ डायरी

मंडियों में सुचारु रूप से चल रहा है धान की खरीद का कार्य

हिन्द जनपथ **पंचकूला (ब्यूरो)**। जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। अब तब जिला में 2694 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में जिला में दो सरकारी खरीद एजंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है।

उन्होंने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 62 मीट्रिक टन, बरवाला में 1996 मीट्रिक टन और रायपुरानी में 636 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है।

अधिकारियों को कई बार दी जानकारी, फिर भी कार्रवाई का इंतजार; स्थानीय लोगों में बढ़ी नाराजगी

हिन्द जनपथ मनीमाजरा। माड़ी वाला टाउन में मकान नंबर 2453 के पास स्ट्रीट लाइट काफी दिनों से खराब पड़ी है। स्थानीय लोगों के अनुसार इसकी शिकायत 24 सितंबर 2026 को संबंधित जूनियर इंजीनियर को दी गई थी। इसके बाद भी कई दिन बीत जाने के बावजूद स्ट्रीट लाइट ठीक नहीं की गई।

समाजसेवी कुलवंत जग्गा ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों से कई बार फोन पर संपर्क किया और नीचे से लेकर उच्च अधिकारियों तक मामले की जानकारी दी। बार-बार याद दिलाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

स्थानीय निवासी अमनदीप सिंह, मनजीत सिंह, बाबा किराना स्टोर सहित अन्य लोगों ने बताया कि स्ट्रीट लाइट लंबे समय से खराब होने के कारण रात के समय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं होना चिंता का विषय है।

स्थानीय लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि स्ट्रीट लाइट को जल्द से जल्द ठीक करवाया जाए और शिकायत के बाद कार्रवाई में हूढ़ देरी की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या का सामना न करना पड़े।

नमन बुजुर्गों को: चण्डीगढ़ में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की भव्य धूम, पीढ़ियों के मिलन से महका समारोह



हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा, उत्तम स्वास्थ्य और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चंडीगढ़ प्रशासन के सामाजिक कल्याण विभाग, वृमेन एंड चाल्ड्रड केयर वेलफेयर फाउंडेशन (डब्ल्यूसीसीडब्ल्यूएफ) और चंडीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 2026 का भव्य आयोजन सरकारी आर्ट गैलरी ऑडिटोरियम, सेक्टर 10 में किया गया।

इस विशेष समारोह में सांसद मनीष तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अडानी ग्रुप (पंजाब व हरियाणा) के कॉर्पोरेट अफेयर्स हेड व क्लीचेयर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रुपेश कुमार सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर श्रीमती शिखा निझावन (अध्यक्ष, सीनियर सिटीजन एसोसिएशन चंडीगढ़), श्रीमती जसबीर कौर (अध्यक्ष, डब्ल्यूसीसीडब्ल्यूएफ), एस.सी. अग्रवाल (अध्यक्ष, सीएससीए), जम्मू स्वास्थ्य सेवा की सेवानिवृत्त उप निदेशक डॉ. बलविंदर कौर, श्रीमती तेजलीन कौर बजाज, कंवलजीत सिंह (महासचिव, डब्ल्यूसीसीडब्ल्यूएफ) और श्रीमती लवलीन कौर (उपाध्यक्ष, सीएससीए) सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और सैकड़ों बुजुर्ग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा शब्द कीर्तन और गुरुकुल (न्यू चंडीगढ़) के बच्चों द्वारा शांति पाठ से हुई। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता उस्ताद डॉ. मुजतबा हुसैन के बांसुरी वादन और सुश्री गुरप्रीत कौर के गीतों ने समां बांध दिया। स्कूली बच्चों के भांगड़ा और गिट्टा प्रदर्शन ने युवा और बुजुर्ग पीढ़ी के बीच के फासले को पाट दिया।

एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वृमेन की छात्राओं ने एक दमदार नुक्कड़ नाटक पेपर कर समाज को 'नशा मुक्त भारत' बनाने और बुजुर्गों को सम्मान व सुरक्षा देने के प्रति जागरूक किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत वीरांगनाओं एवं पूर्व सैनिकों का किया गया सम्मान

होडल (पलवल) – भारत सरकार और हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की ओर से जिला पलवल में 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला सैनिक बोर्ड डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिला सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग की ओर से जिला पलवल के गांव मित्रोल स्थित डिफेंस अकेडमी में वीर गाथाएं एवं सैनिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन जिला सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग पलवल के कल्याण अधिकारी कर्नल देवेंद्र सिंह ढाका के नेतृत्व में किया गया। समारोह में ब्लॉक होडल की वीरांगनाओं एवं पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर वीरांगनाओं ने अपने वीर सैनिकों से जुड़ी स्मृतियों एवं वीर गाथाओं को साझा करते हुए राष्ट्र सेवा में सैनिकों के योगदान को याद किया।

समारोह के दौरान वीरांगनाओं को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके त्याग, समर्पण एवं देश के प्रति योगदान को नमन करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सैनिकों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला में समाज के विभिन्न वर्गों के सम्मान, कल्याण एवं जनसेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आयोजित इस समारोह के माध्यम से वीर सैनिकों एवं उनके परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को अभिव्यक्त किया गया। कार्यक्रम में कल्याण व्यवस्थापक इंद्रजीत, हवलदार गिरिश कुमार सहित जिला सैनिक बोर्ड का समस्त स्टाफ और खंड होडल की वीरांगनाएं एवं पूर्व सैनिक भी समारोह में उपस्थित रहे।

‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ अभियान के अंतर्गत हरियाणा द्वारा पंचकूला में राज्य स्तरीय वॉकथॉन आयोजित

हिन्द जनपथ पंचकूला (ब्यूरो)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत, हरियाणा द्वारा आज ताऊ देवीलाल स्टेडियम, पंचकूला में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के तहत राज्य स्तरीय ‘वॉक फॉर नशा मुक्त युवा’ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

100 सप्ताह के नशा मुक्त युवा अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम में पंचकूला के महापौर श्याम लाल बंसल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मेरा युवा भारत, हरियाणा के राज्य निदेशक आकर्ष दीक्षित, सहायक निदेशक ईशा गुप्ता, जिला युवा अधिकारी, पंचकूला सिग्हा सिंह, वार्ड पाण्डेों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' से हुआ, जिसके उपरांत राज्य निदेशक आकर्ष दीक्षित ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि महापौर श्याम लाल बंसल ने हरी झंडी दिखाकर वॉकथॉन को रवाना किया। प्रतिभागियों ने ताऊ देवीलाल स्टेडियम से घग्गर नदी पुल तक जागरूकता पदयात्रा निकाली और निर्धारित मार्ग से वापस स्टेडियम पहुंचे। इस दौरान युवाओं ने नशे से दूर

गांधी जयंती एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती के पावन अवसर पर नाटक बापू का संदेश – हमारा संकल्प का सफल मंचन

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गांधी जयंती एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती के पावन अवसर पर, थिएटर आर्ट्स, चंडीगढ़ ने खादी आश्रम, एस.सी.ओ. – 28, सेक्टर 17 ई. चंडीगढ़ में ‘बापू का संदेश – हमारा संकल्प’ नामक एक शक्तिशाली और विचरोत्तेजक नुक्कड़ नाटक का सफल मंचन किया। यह प्रस्तुति दोपहर 5:00 बजे शुरू हुई और इसमें स्थानीय निवासियों तथा चंडीगढ़ प्लाजा में घूम रहे लोगों को एक जीवंत भीड़ ने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि के इस नाट्य रूपांतरण को देखा।

पिछले 26 वर्षों से, थिएटर आर्ट्स, चंडीगढ़ जनता के लिए इस प्रकार के सार्थक नुक्कड़ नाटकों का निरंतर निर्माण कर रहा है, और रंगमंच के शक्तिशाली माध्यम से जन-जागरूकता तथा सामाजिक परिवर्तन का संदेश फैला रहा है। इस समुदाय विरासत को आगे बढ़ाते हुए, वर्तमान प्रस्तुति महात्मा गांधी की कालजयी शिक्षाओं का एक रचनात्मक और प्रतीकात्मक चित्रण थी। बलजिंदर सिंह दारापुरी द्वारा लिखित और राजीव मेहता द्वारा कुशल निर्देशन में, इस कथा ने बापू को एक प्रतीकात्मक कक्ष में प्रस्तुत किया, जहाँ उनके आदर्शों को आधुनिक समाज की समकालीन चुनौतियों का सामना करने के लिए जीवंत किया

जिसके जीवन में असंतोष होता है, वास्तव मेंवही दरिद्र होता है: आचार्य कुलदीप पांडे

पंचकूला : मोरनी रोड स्थित शिव धाम आश्रम द्वारा सेक्टर-15 के पंजाबी भवन पंचकूला में आयोजित श्रीमद्भगवत कथा के दौरान आज श्रद्धेय श्री सुधांशु श्री महाराज के शिष्य आचार्य कुलदीप पांडे ने कृष्ण-सुदामा प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। आचार्य जी ने कहा कि श्री कृष्ण और सुदामा की मित्रता किसी प्रभाव या अभाव से नहीं, बल्कि श्रेष्ठ स्वभाव से थी। भगवान की दृष्टि में सुदामा जी कभी दरिद्र नहीं थे। शास्त्र कहते हैं कि जिसके जीवन में असंतोष होता है, वास्तव में वही दरिद्र होता है—‘दरिद्रो यस्त्वसंतुष्टः’। सुदामा जी को धन की कोई लालसा नहीं थी, क्योंकि वे पूर्ण संतोष और वैराग्य से युक्त थे। वे प्रभु के दर्शन और भजन को ही जीवन का परम लाभ मानते थे। जब वे द्वारिका मिलने गए, तो उन्होंने प्रभु से कुछ नहीं मांगा। भगवान ने भी ऐसा दिव्य स्वागत कभी किसी संत का नहीं किया जैसा सुदामा जी का किया; उन्होंने अपने आंसुओं से सुदामा के चरण धोए। यह स्वागत सुदामा जी के जीवन के त्याग, तपस्या और निरछल प्रेम का प्रतिफल था।

उन्होंने आगे बताया कि सुदामा जी की पत्नी के मन में यह भाव अवश्य था कि कृष्ण से मिलने पर कुछ सहायता मिलेगी, लेकिन सुदामा जी का ऐसा कोई विचार नहीं था। श्री कृष्ण यदि त्रिलोक का राज्य भी सुदामा को देते, तो भी वे उसे अस्वीकार कर देते, क्योंकि सुदामा की दृष्टि में 'राम नाम' ही दुनिया का सबसे बड़ा खजाना था।

वोट चोरी का आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबां में झांकें राहुल गांधी और कांग्रेस : डॉ. अर्चना गुप्ता

हिन्द जनपथ बहल (भिवानी)– भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर लटवार करते हुए कहा कि अपनी राजनीतिक नाकामी छिपाने के लिए चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाने से पहले कांग्रेस को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। चुनाव हारने के बाद कांग्रेस कभी वोट चोरी तो कभी ईवीएम का बहाना लेकर जनता के बीच आती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी अपने सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछेंगे कि वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में उन्हें झंझर के तत्कालीन डीसी से मिली कथित 'विशेष मदद' क्या थी?

रविवार को अनाज मंडी बहल में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री जयप्रकाश दलाल द्वारा आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि दीपेंद्र

सिंह हुड्डा स्वयं सार्वजनिक रूप से वर्ष 2009 के चुनाव में तत्कालीन डीसी चंद्रप्रकाश से विशेष मदद मिलने की बात कह चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि कोई प्रशासनिक अधिकारी चुनाव में किसी प्रत्याशी को किस प्रकार मदद कर सकता है?

डॉ. गुप्ता ने कहा कि वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अदालत द्वारा रद्द किए जाने के बाद देश पर आपातकाल थोपा गया और लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचला गया। इसलिए कांग्रेस को आज लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने से पहले अपना इतिहास भी देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वायनाड, केरल या कर्नाटक में चुनाव जीतती है तो ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया ठीक होती है, लेकिन हारते ही वोट चोरी और ईवीएम पर सवाल शुरू हो जाते हैं।

सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विभिन्न विभागों के स्टॉलों का किया अवलोकन

श्री बी.बी सिंघल ने विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के तहत आमजन को दिए जा रहे लाभ की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को उनके घर-द्वार पर सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सभी खंडों, नगर निगम एवं नगर परिषद क्षेत्रों में सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाब



रहने, खेलकूद एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों को अपनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति की शपथ लेकर स्वयं नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर महापौर श्याम लाल बंसल ने स्वस्थ एवं जागरूक युवा शक्ति को विकसित भारत

के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए युवाओं को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। राज्य निदेशक आकर्ष दीक्षित ने युवाओं से जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा स्वयंसेवक नशा मुक्ति एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश जन-जन तक पहुंचाकर सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं।

शिव धाम आश्रम ने रेड क्रॉस ओल्ड एज होम के बुजुर्गों के साथ धूमधाम से मनाया 'श्रद्धा पर्व महोत्सव'

श्रीमद्भगवत कथा में गोपी-उद्धव संवाद और राधा-कृष्ण प्रसंग ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

हिन्द जनपथ पंचकूला (ब्यूरो)। शिव धाम आश्रम (मोरनी रोड, पंचकूला) द्वारा पितृ पक्ष के पावन अवसर पर सेक्टर-15 स्थित पंजाबी भवन में आयोजित श्रीमद्भगवत कथा के दौरान भव्य 'श्रद्धा पर्व महोत्सव' धूमधाम से मनाया गया। परम पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रेड क्रॉस ओल्ड एज होम (सेक्टर-15, पंचकूला) की 6 माताओं को शॉल, फल व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया और उनका आशीर्वाद लिया गया।

कथा व्यास और श्रीसुधांशु जी महाराज

100 सप्ताह नशा मुक्त युवा अभियान के अंतर्गत पंजाब विश्वविद्यालय में "वॉक फॉर नशा मुक्त युवा" का आयोजन



चंडीगढ़– माई भारत चंडीगढ़ (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा स्टेट एनएसएस सेल, चंडीगढ़ प्रशासन तथा एनएसएस इकाई, पंजाब विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आज पंजाब विश्वविद्यालय के गांधी भवन में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' थीम पर 'वॉक फॉर नशा मुक्त युवा' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 100 सप्ताह नशा मुक्त युवा अभियान का हिस्सा था। इसमें 350 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 5:30 बजे माई भारत वॉलंटियर एवं योग प्रशिक्षक सुश्री सारिका द्वारा करवाए गए वार्म-अप, जुम्बा और रिदमिक योग सत्र से हुआ, जिसने प्रतिभागियों में नई ऊर्जा का संचार किया। इसके बाद हुए

औपचारिक कार्यक्रम में श्री शिवधर्मा, यूटी डायरेक्टर, माई भारत सभी अतिथियों और प्रतिभागियों की स्वागत किया। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सेक्टर 20 के माई भारत-एनएसएस स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें नशे के दुष्प्रभावों और नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका को दर्शाया गया। श्री विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, माई भारत चंडीगढ़ ने शपथ चक्र में सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त युवा शपथ दिलाई, जिसमें सभी ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) मीनाक्षी गौयल, माननीय कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय ने 'वॉक फॉर नशा मुक्त युवा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शिव धाम आश्रम ने रेड क्रॉस ओल्ड एज होम के बुजुर्गों के साथ धूमधाम से मनाया 'श्रद्धा पर्व महोत्सव'



के शिष्य आचार्य कुलदीप पांडे ने गोपी-उद्धव संवाद का अत्यंत मार्मिक प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि बिना भक्ति के ज्ञान अधूरा है। भगवान कृष्ण ने उद्धव जी का ज्ञान-अभिमान दूर करने और उन्हें भक्ति का महत्व समझाने के लिए ही वृंदावन भेजा था। सात महीने तक गोपियों के सानिध्य में रहने के बाद उद्धव जी को भक्ति की शक्ति का अहसास हुआ और उन्होंने गोपियों की चरण रज मस्तक पर धारण की। राधा-कृष्ण की व्याख्या करते

हुए आचार्य जी ने कहा कि दोनों तत्त्वतः एक ही हैं— 'राधा कृष्ण स्वरूपान्ते कृष्ण सुनाया। उन्होंने कहा कि बिना भक्ति के ज्ञान अधूरा है। भगवान कृष्ण ने उद्धव जी का ज्ञान-अभिमान दूर करने और उन्हें भक्ति का महत्व समझाने के लिए ही वृंदावन भेजा था। सात महीने तक गोपियों के सानिध्य में रहने के बाद उद्धव जी को भक्ति की शक्ति का अहसास हुआ और उन्होंने गोपियों की चरण रज मस्तक पर धारण की। राधा-कृष्ण की व्याख्या करते

हुए आचार्य जी ने कहा कि दोनों तत्त्वतः एक ही हैं— 'राधा कृष्ण स्वरूपान्ते कृष्ण सुनाया। उन्होंने कहा कि बिना भक्ति के ज्ञान अधूरा है। भगवान कृष्ण ने उद्धव जी का ज्ञान-अभिमान दूर करने और उन्हें भक्ति का महत्व समझाने के लिए ही वृंदावन भेजा था। सात महीने तक गोपियों के सानिध्य में रहने के बाद उद्धव जी को भक्ति की शक्ति का अहसास हुआ और उन्होंने गोपियों की चरण रज मस्तक पर धारण की। राधा-कृष्ण की व्याख्या करते

पूर्व विधायक दीपक मंगला को पितृशोक, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने जताया दुख

अवसरंरचनात्मक विकास तथा निवेशकों को उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सिंगापुर के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे हरियाणा में निवेश के उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाएं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भी अपने राज्य में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया।

सिंगापुर में भारत के राजदूत डॉ. शिल्पक अंबुले ने दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के उद्योग जगत को हरियाणा में निवेश के अवसरों से कराया अवगत

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम में हरियाणा की निवेश अनुकूल नीतियों, औद्योगिक क्षमता, पलवल- भाजपा हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पलवल के पूर्व विधायक दीपक मंगला के पिताजी लाला वेद प्रकाश मंगला का रविवार को निधन हो गया। वे लाभभा 93 वर्ष के थे, उनके निधन से परिवारजनों, शुभचिंतकों तथा क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय लाला वेद प्रकाश मंगला का अंतिम संस्कार रविवार को पलवल स्थित मोक्ष धाम पंचवटी में किया गया। उनके बड़े पुत्र पवन मंगला ने वित्ता को मुखानि दी। इस दौरान परिवारजनों, रिश्तेदारों, जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम सहित राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों व आम नागरिकों ने लाला वेद प्रकाश मंगला के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की और भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने भाजपा हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पलवल के पूर्व विधायक दीपक मंगला के पलवल स्थित आवास पर पहुंचकर उनके पूज्य पिताजी स्वर्गीय लाला वेद प्रकाश मंगला के निधन पर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

उन्होंने बताया कि शिविरों में प्रत्येक विभाग द्वारा अपने-अपने स्टॉल स्थापित किए गए हैं, जहां अधिकारी एवं कर्मचारी आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। साथ ही, योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए मौके पर ही आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

अंतिम पंक्ति के पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास

उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से प्रशासन का प्रयास है कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वरिष्ठ एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए।